



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-Section (II)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 339]
No. 339]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 12, 1989/ज्येष्ठ 22, 1911
NEW DELHI, MONDAY, JUNE 12, 1989/JYAISTHA 22, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(1)

(2)

(परिवहन पक्ष)

2. हल्का मोटर यान

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 12 जून, 1989

का.घा. 436(घ).—केन्द्रीय सरकार, मोटर यान अधिनियम,
1988 (1988 का 59) की धारा 41 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त
शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मोटर यानों की बाबत नीचे दी गई सारणी
के स्तम्भ (2) में वर्णित यानों के प्रकार के यानों के उस प्रकार के रूप
में विनिर्दिष्ट करती है जो उक्त उपधारा (4) के प्रयोजनों के लिए
उसके स्तम्भ (1) की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट हैं :—

सारणी

मोटर यान (1)	मोटर यान के प्रकार (2)
1. मोटर सारकिल	मोटर सारकिल स्कूटर मोपेड मोटर युक्त सारकिल

तिपट्टिए-यात्री यान
आटो रिक्शा
टैम्पो
मोटर युक्त सारकिल रिक्शा
अशक्त यात्री गाड़ी
निपट्टिए साइ बाइक
डिलिवरी वैन
चोपट्टिए यात्री यान
मोटर कार
जीप
जीप मॉडिनी गाड़ी
टक्सी
मक्सी कैब
एम्बुलेंस
स्टेशन बैगन
वैन
अशक्त यात्री गाड़ी
चोपट्टिए साइ बाइक
डिलिवरी वैन
ट्रक
फोर्क लिफ्ट

(1)	(2)
	डाक बैन
	चल जलपान गृह
	चल डाकघर
	चल क्लिनिक
3. सशस्त्र और भारी मोटर यान	यात्री यान
	मजिनी गाड़ी, माधारण
	एक्सप्रेस बस
	नगर बाहर बस
	मिनी बस
	यात्री सह साज याहन
	पर्यटक कोच
	कैम्पस बैन
	कैम्पिंग ट्रैलर/हाउस ट्रेलर
	बिना ट्रैक की ट्राली कोच
	डबल डेकर बस
	माल वाहन
	पणु एम्बुलेंस
	बैन
	ट्रक
	डम्पर
	फ्रोंट लिफ्ट
	पिक अप बैन
	रिग
	अनुकर्मण ट्रक
	कुशा करकट ले जाने वाला बैन
	चल बैन जलपान गृह
	चल पुस्तकालय बैन
	चल डाकघर यान
	याक बैन
	चल क्लिनिक
	चल कार्यशाला
	चल दुकान यान
	टेम्कर

2 इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए,—

- (क) "एम्बुलेंस" से ऐसा यान अभिप्रेत है जो बीमार, अतिशय, जखमी या अन्यथा अममर्थ व्यक्तियों के आपातकालीन परिवहन के लिए विशेषतः रूपांकित, निर्मित, या उपोन्नत और सज्जित किए गए हैं और उनके उपयोग के लिए आशयित है।
- (ख) "पणु एम्बुलेंस" से ऐसी एम्बुलेंस अभिप्रेत है जो बीमार, अतिशय, जखमी या अन्यथा अममर्थ पशुओं के आपातकालीन परिवहन के उपयोग के लिए आशयित है।
- (ग) "ट्रायो रिक्शा" से ऐसा त्रिपट्टिया मोटर यान अभिप्रेत है जो आठों या पारिभ्रमिक पर अधिक से अधिक तीन यात्रियों को, जिनके अन्तर्गत ड्राइवर नहीं है, घटाने के लिए निर्मित या अनुकूल बना दिया गया है और उपयोग में लाया गया है।
- (घ) "कैम्पस बैन" से ऐसा मोटर यान अभिप्रेत है जो आसोद-प्रसोद, वेग लगाने या यात्रा के उपयोग के लिए रहने के क्वार्टरों की व्यवस्था करने के लिए रूपांकित या निर्मित किया गया हो और जिसमें ड्राइवर की सीट से रहने के क्वार्टरों को सीधे जाने का मार्ग हो।
- (ङ) "कैम्पिंग ट्रैलर" से ऐसा ट्रैलर अभिप्रेत है जो माल के परिवहन के उपयोग में नहीं लाया गया है और अंशतः ऐसी पार्श्व

चीताओं से निर्मित है जिन्हें अनुकर्मण के लिए यह प्रयोग या गन्तव्य है और यात्रा या मोटर के लिए सीमा लगाने और पर्यटन प्रयोजनों के लिए अस्थायी रहने की साम-सुविधा की व्यवस्था करने के लिए खोला जा सकता है।

- (च) "डम्पर" से खुली स्थौरा बाड़ी वाला ऐसा स्वचालित माल यान अभिप्रेत है जो सामग्री के परिवहन और उसे डम्प करने या फैलाने के लिए रूपांकित किया गया है।
- (छ) "हाउस ट्रेलर" से ऐसा ट्रेलर या अर्ध ट्रेलर अभिप्रेत है जो कैम्प लगाने या पर्यटन प्रयोजनों के लिए अस्थायी रहने के क्वार्टरों के रूप में, न कि माल, सामग्री और वाणिज्य तथा ऐसी ही वस्तुओं के परिवहन या क्लार्क के लिए, सज्जित है और उपयोग किया जाता है।
- (ज) "प्राथम मूवर" से ऐसा मोटर यान अभिप्रेत है जो मुख्यतया अल्प यानों के खींचने के लिए रूपांकित और उपयोग में लाया गया है और इस प्रकार निर्मित नहीं किया गया है कि वह ऐसा भारवहन करे जो यान के वजन और खींचे गए भार से भिन्न है।
- (झ) "अनुकर्मण ट्रक" से ऐसा मोटर यान अभिप्रेत है जो जेल, उन्नीलक अनुकर्मण छद्म, अनुकर्मण लाइन, सहायक धूरियों के द्वारा यमयन यानों के घकेलने, अनुकर्मण या खींचने और अशक्त यानों को सहायता प्रदान करने के लिए रूपांकित या परिवर्तित और सज्जित किया गया है और उपयोग में लाया गया है।
- (ञ) "बिना ट्रैक की ट्राली कोच" से ऐसा मोटर यान अभिप्रेत है जो गिरोपरि ट्राली के तारों से प्राप्त बिजली की शक्ति द्वारा चालित है किन्तु रेल की पटरियों पर नहीं चलाया जाता है।

3 यह अधिसूचना जुलाई, 1989 के पहले दिन को प्रवृत्त होगी।

[फा सं० आर टी-11014/89-टीएन]

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Transport Wing)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 12th June, 1989

S.O. 436 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 41 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988), the Central Government hereby specifies the types of mentioned in column (2) of the Table below as the type in respect of motor vehicles specified in the corresponding entry in column (1) thereof for the purposes of the said sub-section (4):—

TABLE

Motor Vehicles	Type of motor vehicles
(1)	(2)
1. Motor cycle	Motor cycle Scooter Moped Motorised Cycle
2. Light Motor Vehicle	Three-wheelers -Passenger vehicle Auto rickshaw Tempo Motorised cycle rickshaw Invalid Carriage Three-wheeler-goods carriage

1	2	
	Delivery Van Four-wheeler-Passenger vehicle Motor car Jeep Jeep stage carriage Taxi Maxi cab Ambulance Station wagon Invalid Carriage Van Four-wheelers-goods carriage Delivery van Truck Fork Lift Postal Van Mobile canteen Mobile post office Mobile clinic	(d) "Campers' van" means a motor vehicle designed or constructed to provide living quarters for recreational, camping or travel use with direct walk through access to the living quarters from the driver's seat; (e) "Camping Trailer" means a trailer, not used for transport of goods, constructed with partial side walls which folds for towing and unfolds to provide temporary living accommodation for recreational camping and tourist purposes; (f) "Dumper" means a self propelled goods vehicle having an open cargo body designed to transport and dump or spread materials; (g) "House Trailer" means a trailer or semi-trailer equipped and used for temporary living quarters for camping or tourist purposes and not for the transportation of freight, goods, wares and merchandise and the like; (h) "Prime Mover" means a motor vehicle designed and used primarily for drawing other vehicles and not so constructed to carry a load other than a part of the weight of the vehicle and load as drawn; (i) "Tow Truck" means a motor vehicle designed or altered and equipped for and used to push, tow or draw disabled vehicles by means of crane, hoist tow bar, tow line auxiliary axles and to render assistance to disabled vehicles; (j) "Trackless Trolley Coach" means a motor vehicle which is propelled by electric power obtained from overhead trolley wires but not operated upon rails.
3. Medium and heavy motor vehicle	Passenger vehicle stage carriage, ordinary Express bus Town/city bus Mini bus Passenger-cum-goods carriage Tourist coach Campers van Camping trailer/House trailer Trackless trolley coach Double-decker bus Goods carriage Animal ambulance Crane Truck Dumper Fork lift Pick up van Rig Tow truck Refuse collector Demonstration van Mobile van canteen Mobile library van Mobile post office vehicle Postan van Mobile clinic Mobile workshop Mobile shop vehicle Tanker	3. This notification shall come into force on the first day of July, 1989. [File No. RT-11014/3/89-TAG]

का.प्र. 437 (अ).—केन्द्रीय सरकार, मोटर यान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) की धारा 75 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ऐसे व्यक्तियों को जो अपने स्वयं के उपयोग के लिए कैबों को चलाने की चाछा करते हैं, मोटर कैब किराए पर देने के कारबार और उनसे संबंधित विषयों का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित स्कीम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम, प्रारंभ और लागू होता. (1) इस स्कीम का संक्षिप्त नाम कैब किराए पर देने की स्कीम, 1989 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होती।

(3) ये उन सभी मोटर कैबों को लागू होंगी जिनको अधिनियम की धारा 88 की उपधारा (9) के अधीन पर्यटन परमिट दिए गए हैं और जो पैरा 6 के निबन्धनों के अनुसार दी गई अनुज्ञप्ति के अधीन चलाने जा रही हैं।

2. For the purpose of this notification,—

- "Ambulance" means vehicle specially designed, constructed or modified and equipped and intended to be used for emergency transportation of persons who are sick, injured, wounded or otherwise incapacitated;
- "Animal ambulance" means an ambulance intended to be used for the emergency transportation of sick, injured, wounded or otherwise incapacitated animals;
- "Auto-rickshaw" means a motor vehicle having three wheels constructed or adapted and used to carry not more than three passengers for hire or reward excluding the driver;

2. परिभाषा—इस धारा में जब तक कि संदर्भ में प्रयोग प्रतीति न हो—

(क) "अधिनियम" से मोटर यान अधिनियम, 1988 अभिप्रेत है;

(ख) "प्रवृत्त" से इस स्कीम से संबंधित प्रवृत्त अभिप्रेत है;

(ग) "अनुज्ञप्ति" से ऐसी अनुज्ञप्ति अभिप्रेत है जो ऐसे व्यक्तियों को, जो स्वयं के उपयोग के लिए स्वयं कैबों को चलाने की चाछा करते हैं, मोटर कैब किराए पर देने का कारबार करने के लिए पैरा 6 के अधीन दी गई या नवीकृत की गई है;

(घ) "अनुज्ञापन प्राधिकारी" से अधिनियम की धारा 68 की उप-धारा (1) के अधीन पठित राज्य परिवहन प्राधिकरण अधिनियम है;

(ङ) "बालक" से कम से कम 50 मोटर कर्बों की बाबत अधिनियम की धारा 88 की उपधारा (9) के अधीन दिए गए परमिट का धारक अधिप्रेत है।

3. चालकों का अनुज्ञापन—कोई भी व्यक्ति अनुज्ञापन के बिना इस स्क्रीम के अधीन मोटर कर्ब चलाए पर देने का कारबार नहीं करेगा।

4. अनुज्ञप्ति दिए जाने और उसके नवीकरण के लिए आवेदन—

(1) पैरा 6 के अधीन अनुज्ञप्ति दिए जाने और उसके नवीकरण के कोई आवेदन उस क्षेत्र की, जिसमें वह निवास करता है या उसके मुख्य कारबार का स्थान है (जिसे इसमें इसके पश्चात् मुख्य कार्यालय कहा जा है), अधिकारिता रखने वाले अनुज्ञापन प्राधिकारी को प्ररूप 1 में किया जाएगा और उसके साथ पांच मो रपए की फीस भेजी जाएगी।

(2) जहाँ आवेदक का, मुख्य कार्यालय के प्रतिरिक्त खंड (1) में निर्दिष्ट अनुज्ञापन प्राधिकारी की अधिकारिता के भीतर कोई शाखा कार्यालय है, वहाँ आवेदन में ऐसे प्रत्येक स्थान पर प्रास्थित किए जाने के लिए प्रस्तावित मोटर कर्बों की संख्या सहित ऐसे स्थान उरदर्शित किए जाएंगे।

(3) जहाँ आवेदक के अनुज्ञापन प्राधिकारी की अधिकारिता से बाहर शाखा कार्यालय हैं, वहाँ आवेदन उस अनुज्ञापन प्राधिकारी को जिसकी अधिकारिता में शाखा कार्यालय स्थित है, प्ररूप 2 में किया जाएगा और इसके साथ ऐसे प्रत्येक शाखा कार्यालय की बाबत एक हजार रपए की फीस भेजी जाएगी।

6. आवेदन की जाँच—अनुज्ञापन प्राधिकारी अनुज्ञप्ति देने या नवीकृत करने से पहले निम्नलिखित के संबंध में विचार करेगा—

- (1) यह कि आवेदक का अच्छा चरित्र है और उसे थाली परिवहन कारबार का आवश्यक ज्ञान है;
- (2) यह कि आवेदक का मुख्य कार्यालय या शाखा कार्यालय या तो आवेदक के स्वामित्व में है या वह उसके द्वारा पट्टे पर या उसके नाम में किराए पर लिया गया है और इसमें स्वामत कर्ब, प्रशासनिक अनुभाग लाकर की सुविधाओं सहित यात्री सामान घर, स्वच्छता खंड के लिए पर्याप्त स्थान और मोटर कर्बों के लिए पर्याप्त आवृत स्थान है;
- (3) यह कि आवेदक के पास अपने यानों को रखने, उनके अनुरक्षण और मरम्मत के लिए आवश्यक सुविधाएँ हैं;
- (4) यह कि आवेदक के पास कम से कम एक टेलीफोन है जो दिन और रात के समय सुलभ है;
- (5) यह कि आवेदक को कम से कम पर्यटन भूखण्ड के शहरों में शाखा कार्यालय हैं जिसमें टेलीफोन लगे हुए हैं और जिनमें यानों को रखने, उनके अनुरक्षण और मरम्मत की सुविधा है;
- (6) यह कि आवेदक के वित्तीय स्त्रोत मोटर कर्बों के निरंतर अनुरक्षण और स्थापन के वक्ष प्रबंध की व्यवस्था करने के लिए पर्याप्त है;
- (7) यह कि आवेदक व्यापक बीमा किए गए, ठीक हालत में होने के प्रमाणपत्र में युक्त और अद्यतन मोटर यान करसंबल किए गए कम से कम 50 ऐसे मोटर कर्बों का अनुरक्षण करता है जिनमें से 50 प्रतिशत वानतनुसूलित हैं जो सम्यक रूप से अधिनियम की धारा 88 की उपधारा (9) के अधीन दिए गए परमिट के अंतर्गत आते हैं।

परन्तु अनुज्ञापन प्राधिकारी की अधिकारिता से बाहर कै किसी स्थान में अस्थायित शाखा कार्यालय के लिए अनुज्ञप्ति की दशा में ऐसे शाखा कार्यालय द्वारा कम से कम पांच मोटर कर्बों का अनुरक्षण किया जाने पर्याप्त होगा।

6. अनुज्ञप्ति का दिया जाना—अनुज्ञापन प्राधिकारी, पैरा 4 के अधी आवेदन को प्राप्त होने पर और उसका यह समाधान हो जाने पर कि आवेदक ने पैरा 5 की अपेक्षाओं का पालन कर दिया है, यथास्थिति प्ररूप 3 या प्ररूप 4 में अनुज्ञप्ति दे सकेगा उसे नवीकृत कर सकेगा:

परन्तु अनुज्ञप्ति के लिए कोई भी आवेदन अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा तब तक अस्वीकृत नहीं किया जाएगा जब तक कि आवेदक को मुनवाई का अवसर नहीं दे दिया जाता और अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा ऐसे अस्वीकार किए जाने के कारण उसको लिखित में नहीं दे दिए जाते।

7. अनुज्ञप्ति की अवधि—पैरा 6 के अधीन दी गई या नवीकृत की गई अनुज्ञप्ति इसके लिए जाने या नवीकृत किए जाने की सारीख से पांच वर्ष की अवधि तक विधिमार्ग होगी:

परन्तु पैरा 4 के खंड (3) के अधीन निर्दिष्ट शाखा कार्यालयों की बाबत अनुज्ञप्ति की दशा में ऐसी अनुज्ञप्ति की विधिमान्यता मुख्य कार्यालय की बाबत दी गई अनुज्ञप्ति की विधिमार्गता तक ही सीमित होगी।

8. अनुज्ञप्ति के धारक द्वारा पालन की जाने वाली साधारण शर्तें—अनुज्ञप्ति का धारक—

- (1) एक रजिस्टर खेगा जिसमें प्ररूप 5 में निर्दिष्ट विशिष्टियाँ अवशिष्ट करते हुए ऐसे यान के लिए एक पृथक पृष्ठ होगा और जहाँ कोई मोटर कर्ब किसी विदेशी राष्ट्रीक द्वारा किराए पर ली जाती है वहाँ रजिस्टर प्ररूप 6 में खेगा;
- (2) उस अनुज्ञापन प्राधिकारी को, जिसने अनुज्ञप्ति दी थी, लिखित में पूरे अनुमोवन के बिना अनुज्ञप्ति में वर्णित कारबार का मुख्य स्थान नहीं बदलेगा।
- (3) अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा या किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा, जो मोटर यान निरीक्षक की पंक्ति से नीचे का न हो और जिसे अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा इन निमित्त प्राधिकृत किया जाए सभी व्यक्तिगत समय पर निरीक्षण के लिए परिसर और सभी धमिले और रखे गए रजिस्टर तथा मोटर कर्ब खुले रखेगा।
- (4) अनुज्ञापन प्राधिकारी को समय समय पर ऐसी जानकारी और विवरणी प्रस्तुत करेगा जो उसके द्वारा मांगी जाए;
- (5) अपने मुख्य कार्यालय और शाखा कार्यालय के प्रमुख नूल रूप में जारी की गई अनुज्ञप्ति और उसकी प्रमाणित प्रतियाँ, जो अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा अनुप्रमाणित की जाए, प्रयथित करेगा;
- (6) अपने मुख्य कार्यालय और शाखा कार्यालयों के सहज दृश्य स्थान पर प्ररूप 7 में एक "शिकायत पुस्तक" रखेगा जिसमें तीन प्रतियों में क्रमानुसार संख्यांकित पृष्ठ होंगे। अनुज्ञप्तिधारी शिकायत को, यदि कोई हो, दूसरी प्रति मोध्रता से और किसी भी दशा में 3 दिन के अथवात रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा अनुज्ञापन प्राधिकारी को भेजेगा।
- (7) अपने मुख्य कार्यालय और शाखा कार्यालयों में एक सुझाव पेटी रखेगा और अपनी टिप्पणी सहित यदि कोई हो, प्राप्त किए गए सुझावों को मास में एक बार अनुज्ञापन प्राधिकारी को अप्रेषित करेगा।

(8) जहाँ सरकार के अनुमोदन से किसी विदेशी सहयोग में कारबार कर रहा है, वहाँ वह तथ्य केन्द्रीय सरकार के पर्यटन विभाग के विनिर्दिष्ट अनुमोदन सहित कार्यालय परिसर में प्रदर्शित किया जाना चाहिए।

9. किराया प्रभारों का संग्रहण:—अनुज्ञप्ति का धारक विदेशी राष्ट्रीय या अनिविवासी भारतीयों से विदेशी मुद्रा में ही किराया प्रभार एकत्रित करेगा और विदेशी मुद्रा में संव्यवहार करने के प्रयोजन के लिए अनुज्ञप्ति धारण करेगा।

10. मोटर कैबों के अवश्रेता के कर्तव्य और उत्तरदायित्व:—

(1) प्रत्येक अवश्रेता का यह कर्तव्य होगा कि वह समय समय पर अनुज्ञप्ति के धारक को अपने संचालन के बारे में सूचित करे।

(2) यदि किसी व्यष्टि या कंपनी में पर्यटन पक्ष के प्रधान के रूप में यान किराए पर लिया है तो ऐसे पक्ष के प्रधान का यह कर्तव्य होगा कि वह समय-समय पर अनुज्ञप्ति के धारक को प्रत्येक यान के संचालन के बारे में सूचित करे।

11. अनुज्ञापन प्राधिकारी की अनुज्ञप्ति को निलंबन या रद्द करने की शक्ति:—(1) यदि अनुज्ञप्ति के धारक को मुनबाई का अवसर देने के पश्चात् अनुज्ञापन प्राधिकारी का यह समाधान हो जाता है कि:—

- (क) वह पैरा 8 या पैरा 9 के उपबंधों का अनुपालन करने में असफल रहा है; या
- (ख) वह अधिनियम और नियमों के उपबंधों के अनुपालन में मोटर कैब रखने में असफल रहा है; या
- (ग) उसके किसी कर्मचारी ने ग्राहकों से कदाचार किया है; या
- (घ) किसी अवश्रेता द्वारा अनुज्ञप्ति धारी के विरुद्ध कोई शिकायत युक्तियुक्त संशय से परे साबित हो गई है;

तो अनुज्ञापन प्राधिकारी (1) किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिए अनुज्ञप्ति निलंबित कर देगा या (2) अनुज्ञप्ति को रद्द कर देगा।

(2) जहाँ अनुज्ञप्ति रद्द या निलंबित किए जाने के लिए बाधों हैं और अनुज्ञापन प्राधिकारी की यह राय है कि मामले की परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए अनुज्ञप्ति को रद्द या निलंबित करना आवश्यक या समीचीन नहीं होगा, वहाँ यदि अनुज्ञप्ति का धारक ऐसा जुमाना देने के लिए सहमत हो जाता है जो अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा अधिरोपित किया जाए तो खंड (1) में किसी बात के होते हुए भी अनुज्ञापन प्राधिकारी, अनुज्ञप्ति को, यथास्थिति, रद्द या निलंबित करने के बजाय, अनुज्ञप्ति के धारक से उक्त जुमाना वसूल कर सकेगा।

(3) जुमाने की वसूली के प्रयोजन के लिए राज्य सरकार, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा, निलंबन के प्रत्येक दिन के लिए वसूलीय रकम और अनुज्ञप्ति के रद्दकरण के बदले में वसूलीय रकम विनिर्दिष्ट कर सकेगी और वह समय भी विनिर्दिष्ट कर सकेगी जिसके भीतर तय की गई रकम संवेद्य है, जिसके न होने पर खंड (1) के अधीन पारित आदेश कार्यान्वित किए जाएंगे।

(4) जब अनुज्ञप्ति खंड (1) के अधीन निलंबित या रद्द कर दी गई हो तब अनुज्ञप्ति का धारक अनुज्ञापन प्राधिकारी को अनुज्ञप्ति अभ्यर्पित कर देगा।

12. अपील:—पैरा 6 या पैरा 11 के अधीन अनुज्ञापन प्राधिकारी के किसी आदेश से व्यथित कोई व्यक्ति, आदेश के प्राप्त होने के 30 दिन के भीतर, राज्य परिवहन अपील अधिकरण को अपील कर सकेगा।

13. अपील के लिए प्रक्रिया:—(1) पैरा 12 के अधीन कोई अपील अनुज्ञापन प्राधिकारी के आदेश के प्रति आक्षेपों के आधार बनाने हुए आपन के रूप में दो प्रतिधियों में की जाएगी और उसके साथ ऐसी फीस होगी जो राज्य सरकार द्वारा, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा, विनिर्दिष्ट की जाए।

(2) राज्य परिवहन अपील अधिकरण पक्षकारों को मुनबाई का अवसर देने और ऐसी जांच करने के पश्चात्, जो वह आवश्यक समझे, समुचित आदेश पारित कर सकेगा।

14. अनुज्ञप्ति का स्वेच्छया अभ्यर्पण:—अनुज्ञप्ति का धारक उसको जारी की गई अनुज्ञप्ति किसी भी समय उस अनुज्ञापन प्राधिकारी को अभ्यर्पित कर सकेगा जिसने अनुज्ञप्ति दी थी और इस प्रकार अभ्यर्पण करने पर अनुज्ञापन प्राधिकारी अनुज्ञप्ति को रद्द कर देगा। अनुज्ञप्ति का धारक, अनुज्ञप्ति अभ्यर्पित करने से पहले, पैरा 11 के खण्ड (2) में विनिर्दिष्ट बकाया धन राशि का संदाय करेगा।

[पा.सं. 31014/3/89 टी ए जी]

प्रारूप 1

[पैरा 4 (1) देखिए]

मुख्य कार्यालय की बायन मोटर कैबों को किराए पर देने के लिए अनुज्ञप्ति देने या नवीकरण के लिए आवेदन

सेवा में,

राज्य परिवहन प्राधिकरण

—राज्य/संघ राज्य क्षेत्र

मैं, अधोहस्ताक्षरी:—राज्य में मोटर कैबों को किराए पर देने के लिए अनुज्ञप्ति देने के लिए आवेदन करता हूँ:—

1. पूरा नाम
2. (क) पूरा पता
पत्नी/पुत्र/पुत्री
(ख) फोन नम्बर
3. आयु
4. (क) परिवहन कारबार के प्रबंध में अनुभव
(ख) विधिमाम्य परमिट सहित धारित मोटर कैबों की संख्या
5. अनुज्ञप्ति की विशिष्टता, यदि वह पहले से ही धारण की हुई हो
6. (क) विस्तृत पते सहित वह स्थान जहाँ आवेदक का मुख्य कार्यालय है
(ख) विस्तृत पते सहित वह स्थान जहाँ आवेदक का शाखा कार्यालय है।
नगर (नगरों) का नाम
- (ग) प्रत्येक शाखा कार्यालय में आश्रित किए जाने वाले मोटर कैबों की संख्या
7. आवेदक के वित्तीय स्रोतों की प्रकृति और उनकी सीमा
8. रजिस्ट्रीकरण चिन्ह के ध्येय सहित स्वामित्व में के मोटर कैबों की विशिष्टता
9. उस स्थान का पूरा विवरण जहाँ कारबार किया जाना है:—
(क) स्थिति, मुला क्षेत्र, आवासीय क्षेत्र
(ख) कोई अन्य विशिष्टता

10. मैं मोटर कैबों को किराए पर देने का कारबार करने की शर्तों से अवगत हूँ।

11. मैं यह घोषणा करता हूँ कि मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार ऊपर दी गई विशिष्टता सही और ठीक हैं।

पांच सौ रुपए की विहित फीस*—द्वारा सदन की जा रही है स्थान*

तारीख*

आवेदक के हस्ताक्षर

(*यहाँ संदाय का प्रकार उपदर्शित करें)।

प्ररूप 2

प्ररूप 3

[पैरा 1 (3) देखिए]

(पैरा 6 देखिए)

अन्य राज्य में शाखा कार्यालय की बाबत मोटर कैब को
किराए पर देने के लिए अनुज्ञप्ति देने/नवीकरण के लिए आवेदन

सेवा में,

राज्य परिवहन प्राधिकरण

-----राज्य

मैं, अधोलुस्तक्षरी, -----राज्य में अपने शाखा कार्यालय में
मोटर कैबों को किराए पर देने के लिए अनुज्ञप्ति दिए जाने के लिए
आवेदन करता हूँ।

1. पूरा नाम

पत्नी/पुत्र/पुत्री

2. पूरा पता (शाखा कार्यालय)

फोन नम्बर

3. आयु

4. (क) परिवहन कारबार के प्रबंध में अनुभव।

(ख) प्रस्तावित शाखा कार्यालय में विद्यमान परमिटों सहित
धारित मोटर कैबों की संख्या

5. मुख्य कार्यालय के लिए धारित अनुज्ञप्ति की विशिष्टता--

(क) वह प्राधिकरण जिसने अनुज्ञप्ति दी है

(ख) जारी करने की तारीख

(ग) व्यवसाय की तारीख

6. वह स्थान जहाँ आवेदक का मुख्य कार्यालय है

7. आवेदक के वित्तीय स्रोत की प्रकृति और उनकी सीमा

8. परमिटों के ब्यौरे, राष्ट्रीयकरण संख्यांक आदि सहित स्वामित्व में
के मोटर कैबों की विशिष्टियाँ

9. उस शाखा कार्यालय का पूरा वर्णन जहाँ कारबार किया जाना है--

(क) स्थिति, खुला क्षेत्र, आवृत क्षेत्र

(ख) कोई अन्य विशिष्टियाँ

10. मैं यह घोषणा करता हूँ कि मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास
के अनुसार ऊपर दी गई विशिष्टियाँ सही और ठीक हैं।

एक हथार रुपए की लिखित फीस -----द्वारा संवत् की
जा रही है।

स्थान :

तारीख :

आवेदक के हस्ताक्षर

*यहो संदाय का प्रकार उपपक्षित करें।

मोटर कैब को किराए पर देने के लिए अनुज्ञप्ति—मुख्य कार्यालय

निम्नलिखित व्यक्ति को मोटर कैब किराए पर देने के लिए अनुज्ञप्ति दी
जाती है। इस संबंध में विशिष्टियाँ इस प्रकार हैं:--

आपक का नाम :

पत्नी/पुत्र/पुत्री

कारबार के स्थान का पूरा पता

किराए पर देने के लिए प्राधिकृत मोटर कैब का रजिस्ट्रीकरण चिन्ह
मुख्य कार्यालय शाखा कार्यालय

1

2

3

4

5

6

7

8

9

10

11

12

2. यह अनुज्ञप्ति -----तारीख को जारी की गई और यह
-----तारीख तक विद्यमान है।

राज्य परिवहन प्राधिकरण

-----राज्य/संघ राज्य क्षेत्र

नवीकरण

-----तारीख से-----तारीख तक नवीकृत की गई।

राज्य परिवहन प्राधिकरण

-----राज्य/संघ राज्य क्षेत्र

प्ररूप 4

(पैरा 6 देखिए)

मोटर कैबों को किराए पर देने के लिए अनुज्ञप्ति—शाखा कार्यालय
निम्नलिखित व्यक्ति को मोटर कैबों को किराए पर देने के लिए अनुज्ञप्ति
दी जाती है। इस संबंध में विशिष्टियाँ इस प्रकार हैं:--

आपक का नाम

पत्नी/पुत्र/पुत्री

शाखा कार्यालय का पूरा पता

जहाँ मुख्य कार्यालय अवस्थित है उसका पता

अनुज्ञप्ति संख्याक और वह प्राधिकरण जिसने अनुज्ञप्ति जारी की है

शाखा कार्यालय में किराए पर देने के लिए प्राधिकृत मोटर कैबों
का रजिस्ट्रीकरण चिन्ह--

2. यह अनुज्ञप्ति -----तारीख को जारी की गई और यह
-----तारीख तक विद्यमान है।

राज्य परिवहन प्राधिकरण

-----राज्य/संघ राज्य क्षेत्र

नवीकरण

-----तारीख से-----तारीख तक नवीकृत की गई।

राज्य परिवहन प्राधिकरण

-----राज्य/संघ राज्य क्षेत्र

प्रस्ताव -

(नियम 8)

मोटर कैब किराए पर देने वाले अनुज्ञप्तिधारी द्वारा रखा जाने वाला रजिस्टर

नाम सं.	अवश्रेता का नाम	पूरा पता	फोन नं. यदि कोई हो	मोटर वाहन अनुज्ञप्ति संख्यांक	किसके द्वारा जारी किया गया (प्राधि- कारी)	यान का वर्ग	जारी करने की तारीख
1	2	3	4	5	6	7	8
अवमान की तारीख	किराए पर लेने की तारीख- और समय	यान वापस करने की तारीख और समय	मोटर यान कुल कितने किलोमीटर उपयोग में लाया गया		अवश्रेता के हस्ताक्षर	टिप्पणियां	
9	10	11	12		13	14	

प्रस्ताव 6

[पैरा 8(1) देखिए]

जहां मोटर कैब किसी बिंदु की किराए पर दी जाती है वहां मोटर कैब किराए पर देने वाले अनुज्ञप्तिधारी द्वारा रखा जाने वाला रजिस्टर

अवश्रेता का नाम सं.	पूरा पता	फोन सं., यदि कोई हो	जावन अनुज्ञप्ति सं.	किसके द्वारा जारी किया गया (प्राधिकारी)	
1	2	3	4	5	
यान का वर्ग	जारी करने की तारीख	अवमान की तारीख	पामपोर्ट सं.	किस प्राधिकारी द्वारा दिया गया और राज्य/राष्ट्र	
7	8	9	10	11	
पामपोर्ट जारी करने की तारीख	अवमान की तारीख	पामपोर्ट के अनुमार् जन्म की तारीख	अन्तर्राष्ट्रीय जावन परमिट सं. और इसे जारी करने वाला प्राधिकारी	अन्तर्राष्ट्रीय जावन परमिट जारी करने की तारीख	अन्तर्राष्ट्रीय जावन परमिट के अवमान की तारीख
12	13	14	15	16	17
उस यान का वर्ग जिसे चलाने के लिए प्राधि- कृत है	किराए पर लेने की तारीख और समय	यान वापस लौटाने की तारीख और समय	मोटर यान कुल कितने किलोमीटर उपयोग में लाया गया	अवश्रेता के हस्ताक्षर	टिप्पणियां
18	19	20	21	22	23

प्रकाश /

[नियम 8(vi) देखिए]

शिकायत पृष्ठगत (नीचे प्रतियों में क्रम में संशोधित पृष्ठों सहित)

1. शिकायत करने वाले का नाम
2. पूरा पता
3. "किराए पर कब देना" के लिए अनुज्ञप्ति के धारक का नाम और पता
4. अनुज्ञप्ति का संख्यांक और वह प्राधिकरण जिसने अनुज्ञप्ति जारी की है।
5. यान को किराए पर देने की तारीख और समय और जब यान वापस किया गया उसकी तारीख और समय
6. यान संख्यांक

मंशोर में शिकायत

तारीख :

स्थान :

हस्ताक्षर

सेवा में,

1. राज्य परिवहन प्राधिकरण— (दूसरी प्रति),
राजिस्ट्रार जनरल कार द्वारा।
2. शिकायत करने वाला— (तीसरी प्रति)

S.O. 437(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 75 of Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988), the Central Government hereby makes the following scheme for regulating the business of renting of motor cabs to persons desiring to drive the cabs for their own use and matters connected therewith, namely :—

1. Short title, commencement and applicant.—(1) This scheme may be called Rent a Cab Scheme, 1989.

(2) It shall come into force on the first day of July, 1989.

(3) It shall apply to all motor cabs to which tourist permits have been issued under sub-section (9) of section 88 of the Act and operating under a licence granted in terms of para 6.

2. Definition.—In this section unless the context otherwise requires,

- (a) "Act" means Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988);
- (b) "Form" means a Form appended to this scheme;
- (c) "licence" means a licence granted or renewed under paragraph 6 to engage in the business of renting of motor cabs to persons desiring to drive the cabs themselves for their own use;
- (d) "licensing authority" means the State Transport Authority constituted under sub-section (1) of section 68 of the Act;
- (e) "operator" means the holder of a permit issued under sub-section (9) of section 88 of the Act in respect of not less than 50 motor cabs;

3. Licensing of operators.—No person shall engage himself in the business of renting a motor cab under this scheme without a licence.

4. Application for grant or renewal of licence.—(1) An application for the grant or renewal of a licence under paragraph 6 shall be made in Form 1 to the licensing authority having jurisdiction in the area in which he resides or has his principal place of business (hereafter referred to as main office) and shall be accompanied by a fee of rupees five thousand.

(2) Where the applicant, has besides the main office, branch office within the jurisdiction of the licensing authority referred to in clause (1), the application shall indicate such places with the number of motor cabs proposed to be stationed at each such place.

(3) Where the applicant has branch offices outside the jurisdiction of the licensing authority, the application shall be made to the licensing authority in whose jurisdiction the branch office is situated, in Form 2 accompanied by a fee of rupees one thousand in respect of each such branch offices.

5. Scrutiny of application.—A licensing authority shall, before granting or renewing a licence take into consideration the following namely:—

- (i) That applicant has a good moral character and has intimate knowledge of passenger transport business;
- (ii) That the main office or the branch office of the applicant is either owned by the applicant or is taken on lease by him or is hired in his name and it has adequate space for reception room, administrative section, cloak room with locker facilities, sanitary blocks, sufficient covered space for the motor cabs;
- (iii) That the applicant has necessary facilities for the housing maintenance and repair of his vehicles;
- (iv) That the applicant has at least one telephone which is accessible throughout day and night;
- (v) That the applicant has branch offices, with telephones, in not less than 5 cities of tourist importance with facilities for housing maintenance and repair of vehicles;
- (vi) That the financial resources of the applicant are sufficient to provide for the continued maintenance of motor cabs and for the efficient management of the establishment;
- (vii) That the applicant maintains not less than 50 motor cabs of which 50 percent is air-conditioned duly covered by permits issued under sub-section (9) of section 88 of the Act, with comprehensive insurance, fitness certificate, motor vehicles tax paid upto date :

Provided that in the case of licence for a branch office situated in a place outside the jurisdiction of the licensing authority, it shall be sufficient, if such branch office maintains not less than five motor cabs.

6. Grant of licence.—The licensing authority may, on receipt of an application under paragraph 4 and after satisfying himself that the applicant has complied with the requirements of paragraph 5, grant or renew the licence in Form 3 or, as the case may be, in Form 4.

Provided that no application for a licence shall be refused by the licensing authority unless the applicant is given an opportunity of being heard and reasons for such refusal are given in writing by the licensing authority.

7. Duration of licence.—A licence granted or renewed under paragraph 6 shall be valid for a period of five years from the date of grant or renewal :

Provided that in the case of licences in respect of branch offices referred to under clause (3) of paragraph 4, the validity of such licence shall be restricted to the validity of the licence granted in respect of main office.

8. General conditions to be observed by the holder of the licence.—The holder of a licence shall,—

- (i) maintain a register with a separate page for such vehicle containing the particulars specified in Form 5 and where a motor cab is hired by a foreign national, shall maintain a register in Form 6.
- (ii) not shift the principal place of business mentioned in the licence without the prior approval in writing of the licensing authority which granted the licence.
- (iii) keep the premises and all the records and register maintained and the motor cabs open for inspection at all reasonable times by the licensing authority or by any person not below the rank of motor vehicle inspector as may be authorised in this behalf by the licensing authority;
- (iv) submit, from time to time, to the licensing authority such information and return as may be called for by it;
- (v) display at a prominent place in its main office and its branch office, the licence issued in original and certified copies thereof, attested by the licensing authority;
- (vi) maintain in their main office and branch offices in a conspicuous place a "complaint book" in the Form 7 with serially numbered pages in triplicate. The licensee shall despatch the duplicate copy of Complaint, if any, to the licensing authority by registered post expeditiously and in any case not later than 3 days.
- (vii) maintain a suggestion box in the main office and branch offices and forward their suggestions received with their comments, if any, to the licensing authority, once a month.
- (viii) where he is having a foreign collaboration with the approval of the Government, this fact should be displayed in the office premises, with the specific approval of Department of Tourism of the Central Government.

9. Collection of hire charges.—The holder of a licence shall collect the hire charges from a foreign national or a non-resident Indians only in foreign exchange and shall hold for the purpose a licence to transact in foreign exchange.

10. Duties and responsibilities of hires of motor cabs.—

- (1) It shall be the duty of every hire, to keep the holder of the licence, informed of his movements, from time to time.
- (2) If an individual or company has hired the vehicle as leader of the tourist party, it shall be the duty of such leader of the party to keep the holder of the licence, informed of the movement of each vehicle, from time to time.

11. Power of licensing authority to suspend or cancel the licence.—

- (1) If the Licensing Authority is satisfied after giving the holder of the licence, an opportunity of being heard, that he has—

- (a) failed to comply with the provisions of paragraph 8 or 9, or
- (b) failed to maintain the motor cab in compliance with the provisions of the Act and rules; or
- (c) any one of his employee has misbehaved with the customers; or
- (d) any complaint against the licensee by any hirer has been proved beyond reasonable doubt;
- (i) suspend the licence for a specified period, or
- (ii) cancel the licence.

(2) Where the licence is liable to be cancelled or suspended and the licensing authority is of opinion that having regard to the circumstances of the case, it would not be necessary or expedient to cancel or suspend the licence, if the holder of the licence agrees to pay the fine that may be imposed by the Licensing Authority, then notwithstanding anything contained in clause (1), the licensing authority may, instead of cancelling or suspending the licence, as the case may be recover from the holder of the licence the said fine.

(3) For the purpose of recovery, the fine the State Government may, by notification in the Official Gazette, specify the amount recoverable for each day of suspension and the amount recoverable in lieu of cancellation of the licence and specify the time within which the sum of money agreed upon is payable failing which the orders passed under clause (1) shall be implemented.

(4) When the licence is suspended or cancelled under clause (1), the holder of the licence shall surrender the licence to the Licensing Authority.

12. Appeal.—Any person aggrieved by any order of the Licensing Authority under paragraph 6 or paragraph 11, may within 30 days of the receipt of the order, appeal to the State Transport Appellate Tribunal.

13. Procedure for Appeal.—(1) An appeal under paragraph 12 shall be preferred in duplicate in the form of a memorandum setting forth the ground of objections to the order of the Licensing Authority and shall be accompanied by a fee as may be specified by the State Government, by notification, in the Official Gazette.

(2) The State Transport Appellate Tribunal may after giving an opportunity to the parties to be heard and after such enquiry as it may deem necessary, pass appropriate orders.

14. Voluntary surrender of the licence.—The holder of a licence may at any time surrender the licence issued to him to the Licensing Authority which granted the licence and on such surrender, the licensing authority shall cancel the licence. The holder of the licence before surrendering the licence shall clear the dues referred to in clause (2) of paragraph 11.

FORM 1

[See paragraph 4(1)]

Application for grant or renewal of licence for renting motor cabs in respect of main office

To

The State Transport Authority.

.....State/UT

I, the undersigned hereby apply for a licence for renting motor cabs in the State of

1. Full name
Son/wife/daughter of
2. (a) Full address :
(b) Telephone No.
3. Age
4. Experience in the management of transport business
(b) No. of motor cabs held with valid permit.
5. Particulars of Licence,
If already held.
6. (a) Place where the applicant has his main office with
detailed address.
(b) Place where the applicant has his branch office with
detailed address,
name of Town(s)
(c) the number of motor cabs to be stationed in each branch
office.
7. Nature and extent of financial resources of the applicant.
8. Particulars of Motor Cabs owned alongwith details of
Registration Mark.
9. Full description of the place where the business is to be
carried on—
(a) Location, open area,
covered area
(b) Any other particulars
10. I am conversant with the conditions for carrying the business
for renting of Motor Cabs.
11. I hereby declare that to the best of my knowledge and belief the particulars given above are correct and true.
The prescribed fee of rupees five thousand is paid by*.....

Place

Date :

Signature of Applicant

(*Here indicate mode of payment).

FORM 2

[See paragraph 4(3)]

Application for grant or renewal of licence for renting of motor cabs in respect of Branch Office, in another State

To

The State Transport Authority.

.....State/UT

I, the undersigned hereby apply for a licence for renting motor cabs in my Branch Office in the State of

1. Full Name :
Son/wife/daughter of
2. Full address (Branch Office)
Telephone number

3. Age
 4. Experience in the management of Transport business.
 - (b) number of motor cabs held with valid permits in the proposed Branch Office.
 5. Particulars of licence held for Main Office —
 - (a) Authority which granted the licence
 - (b) Date of issue
 - (c) Date of expiry
 6. Place where the applicant has Main Office.
 7. Nature and extent of financial resources of the applicant.
 8. Particulars of motor cabs owned with details of permits, registration number etc.
 9. Full description of the branch office where the business is to be carried out.
 - (a) Location, open area, covered area.
 - (b) Any other particulars.
 10. I hereby declare to the best of my knowledge and belief the particulars given above are correct and true.
- The prescribed fee of rupees one thousand is paid by*

Place:

Date :

Signature of applicant

*indicate the mode of payment.

FORM 3

[See Paragraph 6]

Licence for renting motor cabs—Main Office

Name of the operator
 son/wife/daughter of
 Full address of the place
 of business :

Registration Mark of motor cabs authorised for renting

Main Office		Branch Office
1.	2.	3.
4.	5.	6.
7.	8.	9.
10.	11.	12.

is licensed to rent motor cab.

This licence is issued on and is valid upto

State Transport Authority
 State/UT

Renewal

Renewed from to

State Transport Authority
 State/UT

FORM 4

[See paragraph 6]

Licence for renting of motor Cabs—Branch Office

Name of the operator

Son/wife/daughter of

Full address of the Branch Office.....

Address where the Main Office is situated

Licence number and the Authority which issued the licence with its date of expiry.....

Registration Mark of motor cabs authorised for renting in the Branch Office
is licensed to rent motor cabs

The licence is issued onand is valid upto.....

State Transport Authority
.....State/UTRenewal

Renewed from.....to.....

State Transport Authority
.....State/UTFORM 5

[See paragraph 8(i)]

Register to be maintained by Rent a Motor Cab Licencee

Sr No.	Name of Hirer	Full address	Telephone No. if any	Motor Driving Licence No.	Issued by (Authority)	Class of vehicle	Date of issue
1	2	3	4	5	6	7	8

Date of Expiry	Date and Time of Hire	Date and Time of returning vehicle	Motor vehicle used for total kilometers	Signature of Hirer	Remark.
9	10	11	12	13	14

FORM 6

[See paragraph 8(i)]

Register to be maintained by Rent a Motor Licence in case where the motor cab is hired to a foreigner

Sr. No.	Name of Hirer	Full Address	Telephone No. if any	Motor Driving Licence No.	Issued by (Authority)	Class of vehicle	Date of Issue	Date of expiry	Passport No.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

Issued by the Authority and State/Nation	Date of issue of passport	Date of expiry	Date of birth as per passport	Driving permit No. if any	Date of issue of Driving permit	Class of vehicle Authorised to drive	Date and time of Hire	Date and time of returning vehicle	Motor vehicle used for total Kms.	Signature of Hirer
11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21

Remarks

22.

FORM 7

[See paragraph 8(vi)]

Complaint Book (with pages serially numbered in Triplicate)

1. Name of the complaint :
2. Full address :
3. The name and address of the holder of the licence for 'Rent a Cab'
4. Licence number and the authority which issued the licence.
5. The date and time of hiring the vehicle and date and time when the vehicle was returned.
6. Vehicle number

Complaint in brief :

Date :

Place :

Signature

1. The State Transport Authority.....(Duplicate copy) by Registered Post.
2. The complainant.....(Triplicate copy).

का०आ० 438(अ) :—केन्द्रीय सरकार, मोटर वाहन अधिनियम, 1988 (1988 का 59) की धारा 88 की उपधारा (8) के अनुसूचन में और भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय की तारीख 9 अगस्त, 1971 की अधिसूचना संख्यांक का०आ० 1008 की अधिकांत करते हुए, यह विनिर्दिष्ट करती है कि उक्त उपधारा में निर्दिष्ट विशेष परमिटों के अंतर्गत आने वाले शोक सेवा वाहनों को समनुदेशित किए जाने वाला विशेष मुद्रक चिह्न का प्रत्येक वह होना जो नीचे उल्लिखित किया गया है और कि उक्त मुद्रक चिह्न उक्त वाहन के हवा से बचने के लिए शीशे पर प्रमुख रूप से प्रदर्शित किया जाएगा।

विशेष मुद्रक चिह्न

विषय

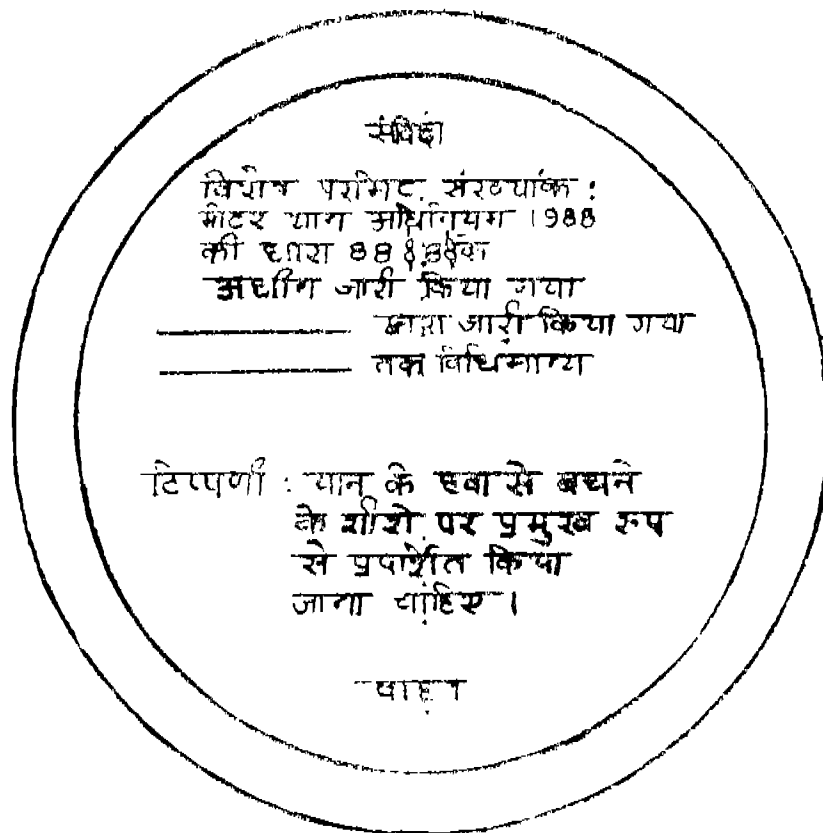
विन्यास 15 मि०मि०

कुल व्यास 100 मि०मि०

रंग

मध्य-हल्का नीला

विन्यास-आयत



2. यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1989 को प्रवृत्त होगी।

S.O. 438(E).—In pursuance of sub-section (8) of section 88 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport No. S.O. 1008, dated the 9th August, 1971, the Central Government hereby specifies that the form of special distinguishing mark to be assigned to public service vehicles covered by special permits referred to the said sub-section, shall be as indicated below and that the said distinguishing mark shall be displayed prominently on the wind screen of the said vehicle.

Special Distinguishing Mark

Dimensions

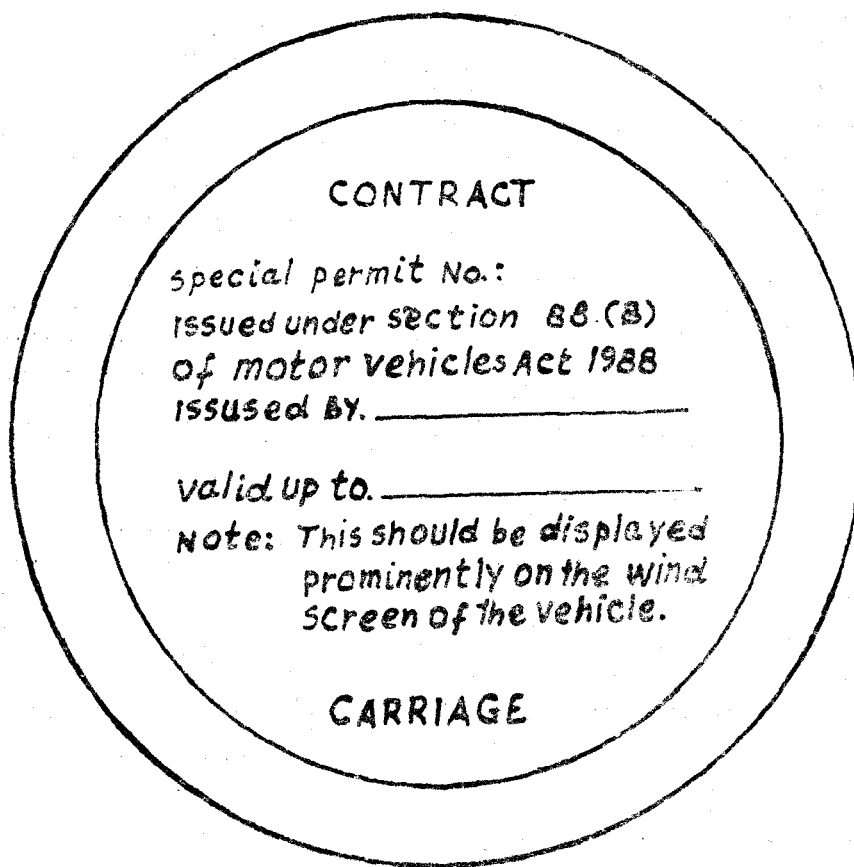
Border 6 mm

Overall Diameter 100 mm

Colour

Centre-Light Blue

Border-Red



2. This notification shall come into force on the first day of July, 1989.

नॉ. वि. 439(ब) :—कैम्ब्रीज स्ट्रैटम, मोटर रात प्रसिद्धि, 1985 (1988 का 59) की धारा 118 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मोटरवानों के चालक के लिए निम्नलिखित विनियम बनायी है, अर्थात् :—

संश्लेष नाम और प्रारम्भ।

1. (1) इन विनियमों का संश्लेष नाम सड़क परिवहन विनियम, 1989 है।

(2) ये 1 जुलाई, 1989 को प्रवृत्त होंगे।

भाग पहला।

2. किसी मोटरवाहन का चालक यात्रा को सड़क की दाईं ओर इतना भरा कर सजाया जाता जितना मनीकीन हो और अपने सामने दाहिने दिशा में आने वाले समस्त यातायात को अपने दाईं ओर से जाने देगा।

बाएं और बाएं मुड़ना।

3. किसी मोटर वाहन का चालक :—

(क) बाईं ओर मुड़ते समय उस सड़क के निम्ने वह मुड़ रहा है और उस सड़क के निम्न पर वह प्रवेश कर रहा है, अधिक से अधिक बाईं ओर रूकर यात्रा समाप्तगा;

(ख) बाईं ओर मुड़ते समय उस सड़क के निम्न से वह यात्रा कर रहा है, अधिक से अधिक बाईं ओर से जाने देगा और उस सड़क के निम्न पर चालक प्रवेश कर रहा है, अधिक से अधिक बाईं ओर मुड़ना जाएगा।

बाएं से आने बढ़ना।

4. विनियम 4 में जैसा उपबंधित है उसके विषय किसी मोटरवाहन का चालक उस दिशा में बढ़ रहे सारे यातायात की दाईं ओर से होकर आने जाएगा।

बाएं से आने जाना।

5. किसी मोटरवाहन का चालक ऐसे यात्रा की दाईं ओर से होकर आने जा सकेगा जिसके चालक ने बाएं ओर मुड़ने के आग्रह का संकेत दे दिया है और वह यात्रा सड़क के मध्य में आ जाएगा है और किसी ट्राम गाड़ी या निचला पटरी पर चलने वाले किसी अन्य यात्रा के, चाहे वह उसी दिशा में जा रहा है निम्न में वह जा रहा है या अन्यथा, दोनों ओर से आने जा सकेगा।

परन्तु किसी भी दशा में वह किसी ट्राम गाड़ी के आने ऐसे समय पर या ऐसे ढंग से आने नहीं निषेधा जिससे सड़क का उपयोग करने वाले अन्य व्यक्तियों को, अतिक्रमण ट्राम में उतरने और उसमें प्रवेश करने वाले व्यक्ति भी हैं, अनुविधा या खतरा होता संभव है।

कुछ मामलों में आने निकलने का प्रतिषेध।

6. किसी मोटरवाहन का चालक किसी यात्रा से, जो उसी दिशा में जा रहा है जिसमें वह जा रहा है, निम्नलिखित स्थानों में आने नहीं निकलेगा।

(क) यदि उनके आने निकलने में किसी भी दिशा में बढ़ते हुए अन्य यातायात को अनुविधा या खतरा संभव हो;

(ख) यदि वह किसी ऐसे स्थान, नोड या किनारे या किसी पड़ाई या किसी प्रकार की अन्य ऐसी बाधा के निम्न है जिसमें आने की सड़क यात्रा-यात्रा नहीं दिखाई देता है;

(ग) यदि वह जानता है कि उनके बाईं ओर आने वाला चालक उनसे आने निकलने का प्रारम्भ कर रहा है;

(घ) यदि उनके आने के चालक ने वह संकेत नहीं दिया है कि वह आने निकल सकेगा है।

आने निकलने में सारा नहीं उतारना।

7. किसी मोटरवाहन का चालक उस समय जब वह यात्रा उतारे आने निकलने के लिए उतरे बगैर या रहा है या उतरे आने निकल रहा हो, अपनी गति नहीं बढ़ाएगा या किसी भी प्रकार से ऐसा कोई कार्य नहीं करेगा जो किसी अन्य यात्रा को उतरे आने निकलने में रोके।

सड़कों के निम्ने के स्थान पर यातायात।

8. किसी मोटरवाहन का चालक उस समय जब वह ऐसे स्थान के पास पहुंच रहा है जहां एक सड़क दूसरी सड़क को काटती है या जहां कई सड़कें मिलती हैं या जहां पैदल यात्रा-यात्रा है, वह जहां सड़क का किनारा है, यात्रा की गति धीमी कर लेता और उस स्थान में तब तक प्रवेश नहीं करेगा जब तक उसे यह पता नहीं चल जाता है कि वह वहां व्यक्तियों की सुरक्षा को खतरा में डाले बिना ऐसा कर सकेगा है।

सड़कों के निम्ने के स्थान पर यातायात को रोकना देना।

9. किसी मोटरवाहन का चालक ऐसे किसी स्थान में, जहां एक सड़क दूसरी सड़क को काटती है और जहां पर यातायात विनियमित नहीं किया जा रहा है और जिस सड़क पर प्रवेश किया जा रहा है वह मुख्य सड़क के रूप में उल्लिखित की गई है, प्रवेश करने पर उस यात्रा को रोकना देगा जो उस सड़क पर जा रहे हैं और किसी अन्य दशा में उन सभी यात्राओं को रोकना देगा जो उसी दाईं ओर से उस पर जा रहे हैं।

अति सेवा यात्राओं और एम्बुलेंस को निर्वाह रोकना देना।

10. प्रत्येक चालक किसी अति सेवा यात्रा, या किसी एम्बुलेंस के निम्न आने पर सड़क के किनारे होकर निर्वाह रोकना देगा।

रास्ते का अधिकार।

11. पैदल चलने वालों को अनिवार्य पैदल-यात्रा-यात्रा पर चलने का अधिकार है। जब किसी सड़क पर अन्य यातायात के लिए विशिष्ट रूप में पैदल रास्ता या साहकिन मार्ग का उल्लेख किया गया है, तब वर्गीकरी किसी पुलिस अधिकारी की अनुशा बिना कोई चालक ऐसे पैदल रास्ते या मार्ग पर यात्रा नहीं चलाएगा।

यू के रूप में मुड़ना।

12. कोई चालक उस स्थान पर जहां यू के रूप में मुड़ना विशेष रूप से प्रतिषिद्ध है और व्यस्त यातायात सड़क पर यू के रूप में नहीं मुड़ना। यदि यू के रूप में मुड़ना अनुज्ञेय है तो चालक हाथ से बैसा हो संकेत देगा जैसा वाहने मुड़ने के लिए होता है, पक्ष-दृश्य दर्पण में देखेगा और तब मुड़ेगा जब ऐसा कदम सुरक्षित है।

चालकों द्वारा दिए जाने वाले संकेत।

13. सभी मोटरवाहन के चालकों द्वारा निम्नलिखित संकेतों का उपयोग किया जाएगा, अर्थात् :—

(क) जब चालक यात्रा की गति धीमी करना चाहता है तब वह यात्रा की दाईं ओर से अपनी दाईं बांह की हथेली को झुकाए हुए बाहर निकालेगा और इस प्रकार बाहर निकाले गई बांह को कई बार ऐसी रीति के ऊपर नीचे करेगा जिसमें उसके पीछे वाले यात्रा के चालक द्वारा संकेत देता जा सके।

(ख) जब चालक रुकना चाहता है तब वह अपनी यात्रा की दाईं ओर से अपनी दाईं अग्र भुजा को बाहर निकालकर हथेली सामने करके लंब रूप से खड़ी करेगा।

(ग) जब चालक दाईं ओर मुड़ना चाहता है या किसी अन्य यात्रा के आने निकलने के लिए या किसी अन्य प्रयोजन के लिए सड़क की दाईं ओर यात्रा समाप्त चाहता है तब वह अपनी दाईं बांह को क्षैतिज स्थिति में, हाथ की हथेली को सामने किए हुए, अपने यात्रा की दाईं ओर बाहर निकालेगा।

(ग) जब चालक बाईं ओर मुड़ना चाहता है या सड़क के बाईं ओर यान चलाना चाहता है तब वह अपनी दाईं बांह को बाहर निकालेगा और उसे सामाजिक दिशा में घुमाएगा।

(घ) जब कोई चालक अपने पीछे के यान के चालक को यह बताना चाहता है कि वह चाहता है कि पीछे के यान का चालक आगे निकल जाए तब वह अपने यान की दाईं ओर में अपनी बाईं भुजा और हाथ को क्षैतिज रूप में बाहर निकालेगा और बांह को प्रक्षेपनाकार गति में आगे-पीछे करेगा।

विना सूचक

14 विनियम 12 में निर्दिष्ट संकेतों को यांत्रिक या वैद्युतयुक्तियों द्वारा सरल भी किया जा सकेगा।

यानों को पार्क करना

15 (1) मोटरयान का प्रत्येक चालक किसी सड़क पर यान को पार्क करते समय ऐसी रीति से पार्क करेगा कि उसमें सड़क के अन्य उपयोगकर्ताओं को कोई खतरा और रोक या अप्रसन्न भ्रमविधा नहीं होनी है या होने की संभावना नहीं है और यदि पार्क करने की रीति किसी संकेत बोर्ड या सड़क के किनारे चिह्नित द्वारा उद्घोषित की गई है तो वह अपने यान को उसी रीति से पार्क करेगा।

(2) मोटरयान का कोई चालक अपने यान को निम्नलिखित स्थान पर पार्क नहीं करेगा।

- (1) किसी सड़क चौराहे, मोड़, पहाड़ी के शीर्ष या उभरे पुल पर या उसके निकट;
- (2) पैदल रास्ते पर;
- (3) यातायात प्रकाश या पैदल-पार-पथ के निकट;
- (4) मुख्य सड़क में या किसी सड़क पर जिस पर तीव्र गति यातायात चलता है;
- (5) अन्य बड़े वाहन के सामने या अन्य वाहन की बाधा के रूप में;
- (6) अन्य छोटे वाहन के बगल में;
- (7) किसी सड़कों पर या सड़कों के ऐसे स्थानों पर जहाँ खंडित रेखा सहित या उसके बिना निरंतर ज्वेत रेखा है;
- (8) बस अड्डे, विद्यालय या अस्पताल के प्रवेश के निकट या ऐसे स्थान पर जहाँ यातायात संकेत या यन्त्रियों या बेंचों के प्रवेश में बाधा पहुंचती हो;
- (9) सड़क की गलत और;
- (10) जहाँ खड़ा करने का प्रतिषेध है;
- (11) पैदल पथ के किनारे से दूर।

दीपों और रजिस्ट्रेशन चिह्नों की दृश्यता

16. (1) किसी मोटरयान पर कोई भार या अन्य मातृ इस प्रकार जगते कि वह अधिनियम द्वारा या उसके अधीन किसी मोटरयान पर थकत किए जाने वाले या प्रदर्शित किए जाने वाले अपेक्षित किसी दीप, रजिस्ट्रेशन चिह्न या अन्य चिह्न को छुंता है या उसकी दृश्यता में अथवा व्यवधान डालती है तब तक नहीं रखा जाएगा जब तक कि इस प्रकार ठके या अन्यथा प्रसंग दीप या चिह्न के स्थान पर अनिश्चित दीप और चिह्न अनिश्चित रूप में ऐसे ठके या अप्रसन्न दीप या चिह्न के प्रदर्शन के अधिनियम द्वारा या उसके अधीन अपेक्षित रीति में प्रदर्शित नहीं किया गया है।

1583 GI/89 3

(2) अधिनियम द्वारा या उसके अधीन मोटरयान पर प्रदर्शित किए जाने के लिए अपेक्षित सभी रजिस्ट्रेशन और अन्य चिह्न सभी समय पर स्वच्छ और सुपाठ्य स्थिति में रखे जायेंगे।

एकतरफा यातायात

17 कोई भी चालक--

(1) किसी ऐसी सड़क पर जो 'एकतरफा' घोषित की गई है, संकेत बोर्ड द्वारा निर्दिष्ट दिशा में ही मोटरयान चलाएगा अन्यथा नहीं।

(2) किसी सड़क पर जो 'एकतरफा' अधिहित की गई है, पीछे की दिशा में या न नहीं चलाएगा।

संयुक्त सड़क पर चालन (गती यातायात)

18 (1) जहाँ किसी सड़क पर यातायात के चलने के लिए गलियाँ अंकित की गई हैं जहाँ किसी मोटरयान का चालक गली के भीतर यान चालित करेगा और गली की, समुचित संकेत देने के पश्चात् ही, परिवर्तित करेगा।

(2) जहाँ किसी सड़क को पीली गली विभाजन सड़क द्वारा चिह्नित किया गया है वहाँ एक ही दिशा में आगे बढ़ने वाले यान, जो एक-दूसरे के आगे निकलने का प्रयत्न कर रहे हैं, पीली रेखा को पार नहीं करेंगे।

सड़क पृष्ठ पर रफते का संकेत

19 (1) जहाँ सड़कों के मिलने वाले स्थान पर या पैदल-पार-पथ की पट्टी पर या अन्यथा सड़क के पृष्ठ पर कोई रेखा अंकित है या खंभित है, जहाँ कोई चालक किसी मोटरयान को ऐसे चालित नहीं करेगा जिससे कि उसका कोई भाग, किसी ऐसे समय पर जब रफते का कोई संकेत किसी पुलिस अधिकारी द्वारा या यातायात नियंत्रण दीप के माध्यम द्वारा या किसी यातायात चिह्न के प्रदर्शन द्वारा किया जा रहा हो, उस रेखा में अंगे निकलना हुआ हो।

(2) इन विनियम के प्रयोजनों के लिए किसी रेखा का कोई भाग 50 किलोमीटर में कम चौड़ा नहीं होगा और वह या तो ज्वेत या श्याम या पीली हो सकेगा।

अनुकरण

20 (1) यांत्रिक रूप से अथवा मोटरयान या अणु रूप से समन्वित मोटरयान, किसी रजिस्ट्रेशन ट्रेलर या माइक्रो-ट्रालर में बिना कोई यान, किसी मोटरयान द्वारा प्रदाय के प्रयोजनों के लिए और निरुद्धम भरण-स्टेशन या गैरज नकलकृत किए जाने के सिवाय, कल्पित या अनुकल्पित नहीं किया जाएगा।

(2) कोई मोटरयान किसी अन्य मोटरयान द्वारा तब तक कल्पित या अनुकल्पित नहीं किया जाएगा जब तक कि कल्पित या अनुकल्पित किए जाने वाले मोटरयान के चालक की सीट पर, यान-चालन के लिए उसे प्रापिकृत करने वाली अनुकल्पित धारण करने वाला कोई व्यक्ति नहीं है या जब तक कि अनुकल्पित किए जाने वाले मोटरयान की स्टिपेंडिय श्रृंखला ऐसी मोटरयान पर, जो उसे कल्पित या अनुकल्पित कर रहा है, केन या अन्य व्यक्ति द्वारा सड़क-पृष्ठ के ऊपर दृढ़तापूर्वक या सुरक्षित रूप से आलवित नहीं है।

(3) जब कोई मोटरयान किसी अन्य मोटरयान द्वारा अनुकल्पित किया जा रहा हो, तब आगे वाले यान के पिछले और पीछे वाले यान के सामने के भाग के बीच का स्पष्ट दूरी किसी भी समय पर 5 मीटर से अधिक नहीं होगी। अनुकरण रस्सी या जैत हथ प्रकाश कांशमी जो अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं द्वारा सामान्य में पदचाली जा सकती हो और अनुकल्पित किए जाने वाले यान के पीछे 7.5 मीली-मीटर से अन्यून ऊंचे, बड़े अक्षरों में और स्वतः पृष्ठधार पर 'अनुकल्पित' शब्द स्पष्टतः प्रदर्शित किया जाएगा।

(4) कोई भी मोटरयान, जब वह ट्रेक्टर या गाइड-कार से भिन्न कोई अन्य यान अनुवर्धित कर रहा हो, प्रति घंटा 25 किलोमीटर से अधिक गति पर चालित नहीं किया जाएगा।

हार्न का उपयोग और शांति क्षेत्र

21. किसी भी यान का चालक—

- (i) अनावश्यक रूप से या लगातार या जितना सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है उससे अधिक हार्न नहीं बजाएगा।
- (ii) शांति क्षेत्र में हार्न नहीं बजाएगा।
- (iii) कट-आउट का उपयोग नहीं करेगा जिससे निष्कामत गैर रकमात्मक के माध्यम से अन्यथा छोटी जाती है;
- (iv) ऐसा कोई मल्टी-टोन हार्न फिट नहीं करेगा या उपयोग नहीं करेगा जो कठोर, सीखी, तेज या भयकारी ध्वनि निष्कायता है;
- (v) ऐसा कोई यान चालित नहीं करेगा जो; जब वह गति में हो, अनसम्यक ध्वनि निष्कायता हो—
- (vi) किसी मफलर के साथ किसी यान का चालन नहीं करेगा जिसमें भयकारी ध्वनि निष्कायनी हो।

22. यातायात चिन्ह और यातायात पुलिस मोटर यान का चालक और सड़क का उपयोग करने वाले प्रत्येक अन्य व्यक्ति :—

- (क) यातायात के विनियमन के लिए तत्समय भार-साधक किसी पुलिस अधिकारी या किसी प्राधिकारी व्यक्ति द्वारा, चाहे संकेत द्वारा या अन्यथा, दिए गए प्रत्येक निवेश का पालन करेगा;
- (ख) उसे लागू और नोटिस पर या उसके उपरिष्ठित किसी निदेश का किसी ऐसे प्राधिकारी द्वारा नियत या प्रचालित यातायात चिन्ह या संकेत का, जो ऐसा करने के लिए सक्षम है, पालन करेगा;
- (ग) ऐसे स्थान पर जहां एक सड़क हमारे को काटती है, नियत स्वचालित संकेतों, युक्तियों द्वारा उपरिष्ठित किसी निदेश का पालन करेगा।

23. सामने के यान से दूरी किसी मोटरयान का चालक जो किसी अन्य मोटरयान के पीछे चल रहा है, यदि सामने का यान अचानक धीमा हो जाए या रुक जाए, तो टक्कर से बचने के लिए उस दूसरे यान से पर्याप्त दूरी पर चलेगा।

34. अधानक आरोध किसी यान का चालक तब तक आरोध नहीं लगाएगा जब तक कि सुरक्षा के कारणों से ऐसा करना आवश्यक नहीं है।

25. पहाड़ पर चढ़ने वाले यानों को पूर्णता देना पहाड़ी सड़कों पर और बसुओं सड़कों पर, पहाड़ी से नीचे की ओर यात्रा करने वाले मोटरयान का चालक पहाड़ी पर ऊपर जाने वाले यान को वहां पूर्णता देगा जहां भी सड़क खतरे के बिना निर्बाध रूप से प्रत्येक यान को एक-दूसरे से आगे निकलने देने के लिए पर्याप्त रूप से चौड़ी नहीं है और पहाड़ी पर ऊपर जाने वाले किसी यान को आगे निकालने देने के लिए सड़क के किनारे यान को रोकेगा।

26. चालक को बाधा मोटरयान का कोई चालक ऐसी रीति में या ऐसे स्थान पर किसी व्यक्ति को अड्डे होने या बैठने या किसी चीज को रखे जाने की अनुज्ञा नहीं देगा जिससे यान के नियंत्रण पर उसे बाधा होती हो।

27. गति पर निर्बंधन किसी मोटरयान का चालक किसी जुलूस या पैदल जाती हुई फौज या पुलिस दल के आगे निकलने समय या उसके बराबर चलते समय या सड़क के सरम्मत करने हुए कर्मचारों के आगे निकलने समय यान को अधिक से अधिक 25 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से चलाएगा।

28. ट्रैक्टरों और माल वाहनों का चालन कोई चालक, जब वह ट्रैक्टर चला रहा हो, ट्रैक्टर पर किसी व्यक्ति का वहन नहीं करेगा या वहन किए जाने की अनुज्ञा नहीं देगा। माल का वाहन का कोई चालक, टालक के क्षेत्र में उससे अधिक संख्या में व्यक्तियों का वहन नहीं करेगा जो रजिस्ट्रिकरण प्रमाणपत्र में वर्णित है और यात्रियों को भाड़े या पारितोषिक के लिए वहन नहीं करेगा।

29. भार का बाहर निकलना (1) कोई व्यक्ति किसी सार्वजनिक स्थान में ऐसा कोई मोटरयान नहीं चलाएगा जो ऐसी रीति से भारित है जिससे किसी व्यक्ति को खतरा होने की संभावना है या ऐसी रीति से भारित है कि भार या उसका कोई भाग या कोई चीज पार्श्व में बाड़ी के बाहर या आगे या पीछे या ऊंचाई में, अनुज्ञेय सीमा से परे निकला है।

30. खतरनाक पदार्थों के वहन पर निर्बंधन यान के उपयोग के लिए आवश्यक ईंधन और स्नेहकों के सिवाय कोई विस्फोटक, उच्च ज्वलनशील या अन्यथा खतरनाक पदार्थ किसी लोक सेवा यान पर वहन नहीं किया जाएगा।

31. पीछे की ओर चालन पर निर्बंधन किसी मोटरयान का कोई चालक किसी मोटरयान को, जब तक कि प्रयत्नः उसका यह समाधान न हो जाए कि उसके द्वारा वह किसी व्यक्ति को या किसी परिस्थितियों में कोई खतरा या असम्यक अनुविधा कारित नहीं करेगा, उससे अधिक दूरी तक या कालावधि तक, जो यान को घुमाने के लिए युक्तियुक्त रूप से आवश्यक है, पीछे की ओर चालित नहीं करेगा।

दस्तावेजों का प्रस्तुत किया जाना

32. यान को चलाने वाला कोई व्यक्ति,—

- (i) अपने साथ अपनी चालन अनुज्ञप्ति; रजिस्ट्रिकरण प्रमाणपत्र; कराधान प्रमाणपत्र और यान के बीमे का प्रमाणपत्र और परिश्रुत यान के मामले में अनुज्ञप्ति और उपयुक्तता प्रमाणपत्र भी सर्वदा रखेगा;
- (ii) बर्दाश्तारी पुलिस अधिकारी द्वारा या मोटरयान विभाग के बर्दाश्तारी किसी अधिकारी द्वारा या सरकार द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा मांग किए जाने पर, दस्तावेजों को निरीक्षण के लिए प्रस्तुत करेगा।

33. प्रत्येक चालक को मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 112, 113, 121, 122, 125, 132, 134, 185, 186, 194 और 207 के उपबन्धों के बारे में परिचित होना चाहिए।

[फा.सं.भार.टी.-11014/3/89-टी.ए.जी.]

S.O. 439(E).—In exercise of the powers conferred by section 118 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988), the Central Government hereby makes the following regulations for the driving of motor vehicles, namely :

Short title and commencement

1. (1) These regulations may be called the Rules of the Road Regulations 1989.

(2) They shall come into force on the first day of July, 1989.

Keep left

2. The driver of a motor vehicle shall drive the vehicle as close to the left hand side of the road as may be expedient and shall allow all traffic which is proceeding in the opposite direction to pass him on his right hand side.

Turning to Left and right

3. The driver of a motor vehicle shall :

- (a) when turning to the left, drive as close as may be to the left hand side of the road from which he is making the turn and of the road which he is entering;
- (b) when turning to the right draw as near as may be to the centre of the road along which he is travelling and arrive as near pass may be at the left hand side of the road which the driver is entering.

Passing to right

4. Except as provided in regulation 4, the driver of a motor vehicle shall as to the right of all traffic proceeding in the same direction as himself.

Passing to the left

5. The driver of a motor vehicle may pass to the left of a vehicle the driver of which having indicated an intention to turn to the right has drawn to the centre of the road and may pass on either side, a tram car or other vehicle running on fixed rails whether travelling in the same direction as himself or otherwise provided that in no case shall he pass a tram car at a time or in a manner likely to cause danger or inconvenience to other users of the road including persons leaving or about to enter tram cars.

Overtaking prohibited in certain cases.

6. The driver of a motor vehicle shall not pass a vehicle travelling in the same direction as himself :

- (a) if his passing is likely to cause inconvenience or danger to other traffic proceeding in any direction,
- (b) if he is near a point, a bend or corner or a hill or other obstruction of a kind that renders the road ahead not clearly visible,
- (c) if he knows that the driver who is following him has begun to overtake him,
- (d) if the driver ahead of him has not signalled that he may be overtaken.

Overtaking not to be obstructed

7. The driver of a motor vehicle shall not, when being overtaken or being passed by another vehicle, increase speed or do anything in any way to prevent the other vehicle from passing him.

Caution at road junction

8. The driver of a motor vehicle shall slow down when approaching a road intersection, a road junction, pedestrian crossing or a road corner, and shall not enter any such intersection, junction or crossing until he has become aware that he may do so without endangering the safety of persons thereon.

Giving way to traffic at road junction

9. The driver of a motor vehicle shall, on entering a road intersection, at which traffic is not being regulated, if the road entered is a main road designated as such, give way to the vehicles proceeding along that road, and in any other case give way to all traffic approaching the intersection on his right hand.

Fire service vehicles and ambulance to be given free passage

10. Every driver shall, on the approach of a fire service vehicle, or of an Ambulance allow it free passage by drawing to the side of the road.

Right of Way

11. The pedestrians have the right of way at uncontrolled pedestrian crossings. When any road is provided with footpath or cycle tracks specially for other traffic, except with permission of a police officer in uniform, a driver shall not drive on such footpath or track.

Taking 'U' turn

12. No driver shall take a 'U' turn where 'U' turn is specially prohibited and on busy traffic road. If a 'U' turn is allowed the driver shall show signal by hand as for a right turn, watch in the rear view mirror and turn when safe to do so.

Signals to be given by drivers

13. The following signals shall be used by the drivers of all motor vehicles namely :—

- (a) When about to slow down, a driver shall extend his right arm with the palm downward and to the right of the vehicle and shall move the arm so extended up and down several times in such a manner that the signal can be seen by the driver of any vehicle which may be behind him.
- (b) When about to stop, a driver shall raise his right forearm vertically outside of and to the right of the vehicle, palm to the front.
- (c) When about to turn to the right or to drive to the right hand side of the road in order to pass another vehicle or for any other purpose, a driver shall extend his right arm in a horizontal position outside of and to the right of his vehicle with the palm of the hand turned to the front.
- (d) When about to turn to the left or to drive to the left hand side of the road, a driver shall extend high right arm and rotate it in an anticlockwise direction.
- (e) When a driver wishes to indicate to the driver of vehicle behind him that he desires that driver to overtake him he shall extend his right arm and hand horizontally outside of and to the right of the vehicle and shall swing the arm backward and forward in a semi-circular motion.

Direction indicators

14. The signals referred to in regulation 12, may be simplified also by mechanically or electrical devices.

Parking of the vehicle

15. (1) Every driver of a motor vehicle parking on any road shall park in such a way that it does not cause or is not likely to cause danger, obstruction or undue inconvenience to other road users and if the manner of parking is indicated by any sign board or markings in the road side, he shall park his vehicle in such manner.

(2) a driver of a motor vehicle shall not park his vehicle:

- (i) at or near a road crossing, a bend, top of a hill or a humpbacked bridge;
- (ii) on a foot-path;
- (iii) near a traffic light or pedestrian crossing;
- (iv) in a main road or one carrying fast traffic;
- (v) opposite another parked vehicle or as obstruction to other vehicle;
- (vi) along side another parked vehicle;
- (vii) on roads or at places on roads where there is a continuous white line with or without a broken line;

- (viii) near a bus stop, school or hospital entrance or blocking a traffic sign or entrance to a premises or a fire hydrant;
- (ix) on the wrong side of the road;
- (x) where parking is prohibited;
- (xi) away from the edge of the foot path;

Visibility of lamps and registration marks

16. (1) No load or other goods shall be placed on any motor vehicle so as to mask or otherwise interrupt vision of any lamp, registration mark or other mark required to be carried by or exhibited on any motor vehicle by or under the Act, unless a duplicate of the lamp or mark so marked or otherwise obscured is exhibited in the manner required by or under the Act for the exhibition of the marked or obscured lamp or mark.

(2) All registration and other marks required to be exhibited on a motor vehicle by or under the Act shall at all times be maintained in a clear and legible condition.

One way traffic

17. A driver shall not—

- (i) drive a motor vehicle on roads declared, 'One Way' except in the direction specified by sign boards.
- (ii) drive a vehicle in a reverse direction into a road designed 'One way'.

Driving on channelised roads (lane traffic).

18. (1) Where any road is marked by lanes for movement of traffic, the driver of a motor vehicle shall drive within the lane and change the lane only after giving proper signal.

(2) Where any road is marked by a yellow-line dividing road, the vehicle proceeding in the same direction trying to over-take each other shall not cross the yellow line.

Stop sign on road surface

19. (1) When any line is painted on or inlaid into the surface of any road at the approach to the road junction or to a pedestrian crossing or otherwise, no driver shall drive a motor vehicle so that any part thereof projects beyond that line at any time when a signal to stop is being given by a police officer or by means of a traffic control lights or by the display of any traffic sign.

(2) A line for the purpose of this regulation shall be not less than 50 millimetres in width at any part and may be either in white, black or yellow.

Towing

20. (1) No vehicle other than a mechanically disabled motor vehicle or incompletely assembled motor vehicle, a registered trailer or a side car, shall be drawn or towed by any motor vehicle, except for purposes of delivery and to the nearest filling station or garage.

(2) No motor vehicle shall be drawn or towed by any other motor vehicle unless there is in the driver's seat of the motor vehicle being drawn or towed a person holding a licence authorising him to drive the vehicle or unless the steering wheels of the motor vehicle being towed, are firmly and securely supported clear of the road surface by some crane or other device on the vehicle which is drawing or towing it.

(3) When a motor vehicle is being towed by another motor vehicle the clear distance between the rear of the front vehicle and the front of the rear vehicle shall at no time exceed five meters. the tow ropes, or chains shall be of a type

easily distinguishable by other road users and there shall be clearly displayed on the rear of the vehicle being towed in black letters not less than seventy five millimeters high and on a white black ground the words 'ON TOW'.

(4) No motor vehicles when towing another vehicle other than a trailer or side car shall be driven at a speed exceeding twenty-four kilometers per hour.

Use of horns and Silence Zones

21. A driver of a vehicle shall not (i) sound the horn needlessly or continuously or more than necessary to ensure safety;

(ii) sound the horn in silence zones;

(iii) make use of a cut-out by which exhaust gases are released other than through the silencer;

(iv) fit or use any multitone horn giving an harsh, shrill, loud or alarming noise;

(v) drive a vehicle creating undue noise when in motion;

(vi) drive a vehicle with a muffler causing alarming sound.

Traffic sign and Traffic Police

22. A driver of a motor vehicle and every other person using the road shall obey:—

(a) every direction given, whether by signal or otherwise, by a police officer or any authorised person for the time being in-charge of the regulation of traffic;

(b) any direction applicable to him and indicated on or by notice, traffic sign or signal fixed or operated by an authority, competent to do so;

(c) any direction indicated by automatic signalling devices fixed at road intersections.

Distance from vehicles in front

23. The driver of a motor vehicle moving behind another vehicle shall keep at a sufficient distance from that other vehicle to avoid collision if the vehicle in front should suddenly slow down or stop.

Abrupt brake

24. No driver of a vehicle shall apply brake abruptly unless it is necessary to do so for safety reasons.

Vehicles going uphill to be given precedence

25. On mountain roads and steep roads, the driver of a motor vehicle travelling down hill shall give precedence to a vehicle going up-hill wherever the road is not sufficiently wide to allow the vehicles to pass each other freely without danger, and stop the vehicle to the side of the road in order to allow any vehicle proceeding uphill to pass.

Obstruction of Driver

26. A driver of a motor vehicle shall not allow any person to stand or sit or any thing to be placed in such a manner or position as to hamper his control of the vehicle.

Speed to be restricted

27. The driver of a motor vehicle shall, when passing or meeting a procession or a body of troops or police on the march or when passing workmen engaged on road repair, drive at a speed not exceeding than 25 kilometers an hour.

Driving of tractors and goods vehicles

28. A driver when driving a tractor shall not carry or allow any person to be carried on tractor. A driver of goods carriage shall not carry in the driver's cabin more number of persons than that it mentioned in the registration certificate and shall not carry passengers for hire or reward.

Projection of loads

29. No person shall drive in any public place any motor vehicle which is loaded in a manner likely to cause danger to any person or in such a manner that the load or any part thereof or anything extends laterally beyond the side of the body or to the front or to rear or in height beyond the permissible limit.

Restriction to carriage of dangerous substances

30. Except for the fuel and lubricants necessary for the use of the vehicle, no explosive, highly inflammable or otherwise dangerous substance, shall be carried on any public service vehicle.

Restriction on driving backwards

31. No driver of a motor vehicle shall cause the vehicle to be driven backwards without first satisfying himself that he will not thereby cause danger of undue inconvenience to any person or in any circumstances, for any greater distance or period of time than may be reasonably necessary in order to turn the vehicle round.

Production of documents

32. A person driving a vehicle,—(i) shall always carry with him his driving licence; certificate of registration; certificate of taxation and certificate of insurance of the vehicle and in case of transport vehicle the permit and fitness certificate, also;

(ii) shall on demand by police officer in uniform or an officer of the Motor Vehicle Department in uniform or any other officer authorised by the Government, produce the documents for inspection.

33. Every driver must be conversant with the provisions of sections 112, 113, 121, 122, 125, 132, 134, 185, 186, 194 and 207 of the Motor Vehicles Act, 1988.

[File No. RT-11014/3/89-TAG]

का.भा. 440(अ):—केन्द्रीय सरकार, मोटरवाहन अधिनियम, 1988 (1988 का 59) की धारा 163 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, टक्कर मारकर भागने संबंधी मोटर दुर्घटना से परीक्षितों के लिए प्रतिकर का संशोधन करने के लिए, निम्नलिखित स्कीम अर्जित है।

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इस स्कीम का नाम संक्षिप्त स्कीम, 1989 है।

(2) यह 1 जुलाई, 1989 को प्रवृत्त होगी।

2. परिभाषाएं:—इस स्कीम में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो।

(क) "अधिनियम" से मोटरवाहन अधिनियम, 1988 (1988 का 59) अभिप्रेत है;

(ख) "दाया जाच अधिकारी" से अभिप्रेत है। राज्य के प्रत्येक राजस्व जिला में राजस्व उप-खंड या तालुका का भारसाधक उप-खंड अधिकारी महसूलदार, या कोई अन्य अधिकारी या उप-खंड अधिकारी या नृहीनदार को पक्ष से अन्वयन ऐसा अन्य अधिकारी जो राज्य सरकार द्वारा निर्दिष्ट किया जाए;

(ग) "दावा परिनिर्धारण आयुक्त" से अभिप्रेत है जिला मजिस्ट्रेट, उप-खंड, कलेक्टर या राज्य में राजस्व जिला का भारसाधक कोई अन्य अधिकारी जो राज्य सरकार द्वारा इस रूप में नियुक्त किया जाए;

(घ) "खंड" से इस स्कीम का खंड अभिप्रेत है;

(ङ) "जिला स्तर समिति" से खंड 11 के अधीन गठित समिति अभिप्रेत है;

(च) "प्रारूप" से इस स्कीम से उपाखंड प्रारूप अभिप्रेत है;

(छ) "स्थानीय समिति" से खंड 3 के अधीन गठित समिति अभिप्रेत है;

(ज) "परिवहन आयुक्त" से राज्य सरकार द्वारा इस रूप में नियुक्त कोई अधिकारी अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत राज्य सरकार द्वारा नियुक्त परिवहन महानिदेशक, परिवहन निदेशक या परिवहन नियंत्रक भी है।

3. स्थानीय समिति

(1) एक स्थानीय समिति होगी जो निम्नलिखित सदस्यों से मिलकर बनेगी, अर्थात्:—

- | | |
|---|-------------|
| (क) संयुक्त सचिव (परिवहन) | —अध्यक्ष |
| (ख) संयुक्त सचिव (बीमा) | —सदस्य |
| (ग) महाप्रबंधक, साधारण बीमा निगम | —सदस्य |
| (घ) भारत में तत्समय साधारण बीमा कारबार कर रहे प्रत्येक बीमा कंपनियों के महाप्रबंधक | —सदस्य |
| (ङ) तीन राज्यों में से प्रत्येक के परिवहन आयुक्त जो केन्द्रीय सरकार द्वारा अन्तर्क्रम से नाम निर्दिष्ट किए जाएं | —सदस्य |
| (च) निदेशक/उपसचिव (वित्त प्रभाग), जल भूतल परिवहन मंत्रालय | —सदस्य |
| (छ) उपमहाप्रबंधक (वेष्टा) को पक्षित का साधारण बीमा निगम का एक अधिकारी | सदस्य सचिव। |

(2) पद के अन्तर्गत पर सदस्य के रूप में नाम-निर्दिष्ट कोई व्यक्ति उस समय गवस्य नहीं रहे जायगा अथवा उक्त पद धारण करता समाप्त हो जाता है।

(3) खंड (1) के उपखंड (ङ) के अधीन नाम-निर्दिष्ट सदस्यों की पदावधि एक वर्ष तक होगी।

4. स्थानीय समिति के सदस्यों का पारिश्रमिक:—किसी सदस्य को, अनुज्ञेय वर पर यात्रा और दैनिक भत्ता के सिवाय, जो उस खान में संदत्त किया जाएगा जिसमें वह वेतन आहूति करता है, कोई पारिश्रमिक संदत्त नहीं किया जाएगा।

5. स्थानीय समिति की शक्तियां और कृत्य:—स्थानीय समिति,

- स्कीम के कार्यक्रम और उसके कार्यान्वयन का कालिक रूप से पुनर्विचार करेगी जब भी आवश्यक हो सुधारात्मक कदम का निर्देश देगी;
- जिला स्तर समिति की रिपोर्ट में उठाए गए प्रश्नों पर विचार करेगी और जहां अपेक्षित हो, मार्गनिर्देश या निर्देश देगी;
- स्थानीय समिति और जिला स्तर समिति के कारबार के संचालन के लिए, विनियम विरचित करेगी।

6. स्थानीय समिति का अधिवेशन:—स्थानीय समिति ऐसे समय, तारीख और ऐसे स्थान पर अपना अधिवेशन करेगी जो अध्यक्ष समय-समय पर इस निमित्त नियत करे:

परन्तु समिति एक वर्ष में कम से कम दो बार अधिवेशन करेगी।

7. गणपूर्ति :—गणपूर्ति कम से कम तीन सदस्यों से होगी :

परन्तु यदि किसी अधिवेशन में गणपूर्ति नहीं होती है तो अध्यक्ष अधिवेशन के बाद के सत्र में अगले किसी तारीख के लिए स्थगित कर मकेगा और उपस्थित सदस्यों को यह जानकारी देगा और अन्य सदस्यों को सूचना भेजेगा कि उसका स्थगित बैठक पर कारबार को निपटाने का प्रस्ताव है चाहे गणपूर्ति होती है या नहीं, और उसके पश्चात् वह ऐसी स्थिति बैठक में कारबार को निपटा सकेगा।

8. बहुमत द्वारा विनिश्चय :—प्रत्येक बात का अवधारण उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों के मतों के बहुमत से किया जाएगा और मतों के बराबर होने की दशा में अध्यक्ष का निर्णायक मत होगा।

9. अधिवेशन की सूचना :—(1) सदस्य सचिव प्रत्येक अधिवेशन के कम से कम पन्द्रह दिन पूर्व ऐसे प्रत्येक अधिवेशन के लिए नियत समय, तारीख और स्थान की सूचना प्रत्येक सदस्य को देगा और प्रत्येक सदस्य को उक्त अधिवेशन में निपटाए जाने वाले कारबार की सूची भेजी जाएगी।

परन्तु जहाँ अध्यक्ष द्वारा कोई अर्जेंट अधिवेशन बुलाया जाता है वहाँ ऐसी सूचना आवश्यक नहीं होगी। किन्तु सदस्य सचिव ऐसे प्रत्येक सदस्य को एक सूचना भेजेगा।

(2) अध्यक्ष की अनुज्ञा के बिना ऐसे किसी कारबार पर जो कारबार की सूची में नहीं है, विचार नहीं किया जाएगा।

10. अधिवेशन का कार्यवृत्त :—स्थायी समिति के प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाही सभी सदस्यों में परिचालित की जाएगी और तत्पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तिका में अभिलिखित की जाएगी जो स्थायी अभिलेख के रूप में रखी जाएगी। प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख पर अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षर किया जाएगा।

11. जिला स्तर समिति :—(1) प्रत्येक जिले में एक जिला स्तर समिति होगी जो निम्नलिखित सदस्यों से मिलकर बनेगी, अर्थात् :—

- | | |
|---|-------------|
| (क) दावा परिनिर्धारण आयुक्त | —अध्यक्ष |
| (ख) राज्य सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट दावा जांच अधिकारी | —सदस्य |
| (ग) क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी या मोटरवाहन विभाग का कोई अन्य अधिकारी जो राज्य सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जाए | —सदस्य |
| (घ) जनता या या सड़क सुरक्षा पहलुओं से संबंधित किसी स्वेच्छक संगठन का कोई सदस्य जो, अध्यक्ष द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जाए | —सदस्य |
| (ङ) बीमा कंपनी का मंडल प्रबन्धक | —सदस्य सचिव |

(2) पद के आधार पर सदस्य के रूप में नामनिर्दिष्ट कोई व्यक्ति उस समय सदस्य नहीं रहे जाएगा जब उसका वह पद धारण करना समाप्त हो जाता है।

(3) उपखण्ड (ख), (ग), (घ) के अधीन नामनिर्दिष्ट अधिकारी की पदावधि एक वर्ष होगी।

12. जिला स्तर समिति के सदस्यों का पारिश्रमिक :—किसी सदस्य को उसके अपने बिभाग में उसे अनुज्ञेय दर पर यात्रा और दैनिक भत्ते के सिवाय कोई भी भत्ता से संदेत किया जाएगा जिससे वह वेतन आहूति करता है जो कोई पारिश्रमिक संदेत नहीं किया जाएगा। खण्ड (ख) के अधीन नाम निर्दिष्ट सदस्य को यात्रा भत्ता और मंजूरी भत्ता साधारण बीमा निगम द्वारा संदेत किया जाएगा जो उस दर पर होगा जो साधारण बीमा निगम द्वारा विनिश्चित किया जाए।

13. जिला स्तर समिति की शक्तियां और कृत्य :—जिला स्तर समिति, जिला स्तर पर स्कीम के कार्यान्वयन से संबंधित सभी कृत्य करेगी, यह निम्नलिखित कृत्य भी करेगी :—

(i) संबंधित जिले में स्कीम के कार्यान्वयन की प्रगति का मूल्यांकन और जहाँ आवश्यक हो, सुधारमक कदम उठाना;

(ii) स्थायी समिति को त्रैमासिक आधार पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना। इस रिपोर्ट के अन्तर्गत अन्य बातों के साथ प्राप्त किए गए दावा आवेदन, अधिनियम, संबंधित आवेदन और संबंधित होने के कारणों के आंकड़े होंगे;

(iii) जिले के अन्य प्राधिकारियों के साथ निकट संपर्क रखना जिससे कि यह निश्चित हो सके कि स्कीम को पर्याप्त प्रचार मिलता है;

(iv) जहाँ अपेक्षित है, संबंधित प्राधिकारियों को मार्गनिर्देश, स्पष्टीकरण प्रदान करना।

14. जिला स्तर समिति का अधिवेशन :—जिला स्तर समिति संबंधित जिले के भीतर ही ऐसे समय, तारीख और ऐसे स्थान पर अधिवेशन करेगा जो अध्यक्ष समय-समय पर इस निमित्त नियत करे:

परन्तु समिति प्रत्येक त्रैमास में कम से कम एक बार अधिवेशन करेगी।

15. गणपूर्ति :—गणपूर्ति कम से कम दो सदस्यों से होगी।

16. बहुमत द्वारा विनिश्चय :—प्रत्येक बात का अवधारण उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों के मत के बहुमत द्वारा किया जाएगा। मत के बराबर होने की दशा में अध्यक्ष का निर्णायक मत होगा।

17. अधिवेशन की सूचना :—(1) सदस्य सचिव अधिवेशन के नियत समय, तारीख और स्थान की सूचना ऐसे अधिवेशन के कम से कम सात दिन पूर्व प्रत्येक सदस्य को देगा और प्रत्येक सदस्य को उक्त अधिवेशन में निपटाए जाने वाले कारबार की सूची भी जाएगी।

परन्तु जब अध्यक्ष द्वारा अर्जेंट अधिवेशन बुलाया जाता है तो ऐसी सूचना आवश्यक नहीं होगी। किन्तु सदस्य सचिव प्रत्येक सदस्य को एक सूचना भेजेगा।

(2) अध्यक्ष की अनुज्ञा के बिना अधिवेशन में ऐसे किसी कारबार पर जो कारबार की सूची में नहीं है, विचार नहीं किया जाएगा।

18. अधिवेशन का कार्यवृत्त :—जिला स्तर समिति के ऐसे अधिवेशन की कार्यवाही सभी सदस्यों में परिचालित की जाएगी और तत्पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तिका में अभिलिखित की जाएगी जो स्थायी अभिलेख के रूप में रखी जाएगी। प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाही के अभिलेख पर अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षर किया जाएगा।

19. बीमा कंपनी का नामनिर्देशन :—साधारण बीमा निगम प्रत्येक जिले में अपने किसी कार्यालय का बीमा कंपनी को अधिनियम की धारा 161 के अधीन और इस स्कीम के अधीन दावा का परिनिर्धारण करने के लिए नामनिर्दिष्ट करेगा।

20. दावा आवेदन करने के लिए प्रक्रिया :—(1) आवेदन उस उपखंड या तालुक के जिसमें दुर्घटना हुई है, दावा जांच अधिकारी को इस स्कीम के अधीन प्रतिकर की मांग करते हुए प्रारूप I में आवेदन, प्रारूप II में सव्यक् रूप से भरी गई उम्मीदवार रसीद और प्रारूप IV में धनबोध के साथ देगा।

(2) खंड (1) के अधीन कोई आवेदन दुर्घटना की तारीख से छह मास की अवधि के भीतर किया जाएगा :

परन्तु दुर्घटना की तारीख से छह मास के पश्चात् किन्तु बारह मास के पश्चात् किया गया आवेदन दावा जांच अधिकारी द्वारा ग्रहण किया जा सकेगा यदि उसका समाधान हो जाए कि बिम्बल की साफ़ी के लिए युक्तियुक्त आधार है।

(3) जहाँ दावा जाँच अधिकारी आवेदक द्वारा दिए गए आधारों की स्वीकार नहीं करता है वहाँ वह सकारण आवेदन अधिनियमित करेगा और दावा आवेदन को अस्वीकार किए जाने के लिए कारणों को आवेदक को संसूचित करेगा।

21. दावा जाँच अधिकारी द्वारा अनुसरण की जाने वाली प्रक्रिया:

(1) दावा आवेदन की प्राप्ति पर दावा जाँच अधिकारी, यथास्थिति संबंधित प्राधिकारी से प्रथम इतिहास रिपोर्ट, मुख्य समीक्षा रिपोर्ट, शब्द परीक्षा रिपोर्ट या क्षति प्रमाणपत्र की प्रति तुरन्त अभिप्राप्त करेगा और टक्कर भार कर भोगने से संबंधित मोटर दुर्घटना से उद्भूत दावों के बारे में जाँच करेगा।

(2) दावा जाँच अधिकारी का यह कर्तव्य होगा कि—

(क) जहाँ दो से अधिक दावेदार हैं वहाँ यह विनिश्चित करे कि कौन सही दावेदार है ;

(ख) आवेदन की प्राप्ति की तारीख से यथासंभव शीघ्र और किसी भी दशा में एक मास की कालावधि के भीतर अपने स्वयं की सिफारिश के साथ, प्ररूप II में सम्पूर्ण उन्मोचन रसीद और प्ररूप में वचनबंध के सहित प्ररूप III में रिपोर्ट पेश करेगा।

(3) जहाँ दावा परिनिर्धारण आयुक्त ने खंड 22 के उपखंड (2) के अधीन आगे जाँच करने के लिए दावा जाँच अधिकारी को कोई रिपोर्ट वापिस की है वहाँ दावा जाँच अधिकारी ऐसी प्रतिरिक्त जाँच करेगा जो आवश्यक हो और अंतिम आदेश के लिए पन्द्रह दिन के भीतर दावा परिनिर्धारण आयुक्त को पुनः भेजेगा।

22. दावा की मंजूरी—दावा जाँच अधिकारी की रिपोर्ट की प्राप्ति पर दावा परिनिर्धारण अधिकारी ऐसी रिपोर्ट की प्राप्ति की तारीख से पन्द्रह दिन से अधिक कालावधि के भीतर यथासंभव शीघ्र दावा को मंजूर करेगा और प्ररूप II में सम्पूर्ण उन्मोचन रसीद और प्ररूप में वचनबंध के साथ प्ररूप IV में मंजूरी का आदेश, बीमा कंपनी के नामनिर्दिष्ट कार्यालय को संसूचित करेगा जिसके साथ निम्नलिखित को एक प्रति होगी:—

(क) दावा जाँच अधिकारी,

(ख) दावेदार,

(ग) संबंधित मोटर दुर्घटना दावा प्राधिकरण,

(घ) संबंधित परिवहन आयुक्त, और

(ङ) साधारण बीमा निगम का मुख्यालय।

(2) जहाँ दावा परिनिर्धारण आयुक्त को दावा जाँच अधिकारी द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के बारे में कोई सदन हो वहाँ वह उस विनिर्दिष्ट बात को इंगित करने हुए, जिस पर जाँच की जाती चाहिए, रिपोर्ट को आगे जाँच करने के लिए दावा जाँच अधिकारी को वापिस करेगा।

23. प्रतिकर का संदाय—(1) मृत्यु से उद्भूत दावे के मामले में संदाय, दावा जाँच अधिकारी द्वारा यथा विनिश्चित, मृतक के विधिक प्रतिनिधियों को किया जाएगा।

(2) राश्वरी उपवृत्ति से उद्भूत दावे के मामले में संदाय क्षतिग्रस्त व्यक्ति को किया जाएगा।

(3) बीमा कंपनी का नामनिर्दिष्ट कार्यालय प्ररूप II में उन्मोचन रसीद और प्ररूप V में वचनबंध के साथ प्ररूप IV में मंजूरी आदेश की प्राप्ति पर तुरन्त दावेदार को संदाय करेगा और दावेदार को बैंक, डिमाण्ड के ड्राफ्ट, रसीदी रजिस्ट्रीकृत डाक से भेजेगा और साथ ही ऐसे सभी संबंधित प्राधिकारियों को संसूचना भेजेगा जिनके लिए मंजूरी आदेश की प्रति पर पुराठोकन किया गया है।

(4) बीमा कंपनी द्वारा दावेदार को संदाय उन्मोचन रसीद के साथ मंजूरी आदेश की प्राप्ति की तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर किया जाएगा और जहाँ भी विरोध होता है वहाँ उसका कारण दावा परिनिर्धारण आयुक्त को स्पष्ट किए जाएंगे।

(5) बैंक, डिमाण्ड ड्राफ्ट को अतिवृष्ट करने वाले रजिस्ट्रीकृत पत्र, यदि दावेदार को परिवर्त किए बिना वापिस आ जाते हैं तो उन्हें, आगे निर्देश के लिए दावा परिनिर्धारण आयुक्त के समक्ष रखा जाएगा।

(6) बीमा कंपनी का नामनिर्दिष्ट कार्यालय दावा परिनिर्धारण आयुक्त को एक विवरण भेजेगा जिसमें मंजूरी आदेश की संख्या और तारीख, मंजूरी आदेश से प्राप्त होने की तारीख, किए गए संदाय, संदाय के लिए संबंधित मंजूरी आदेश होते और उसकी प्रति दावा जाँच अधिकारी और साधारण बीमा निगम मुख्यालय, मुंबई को भेजेगा।

24. वार्षिक रिपोर्ट—साधारण बीमा निगम रकीम के कार्यक्रम पर एक वार्षिक रिपोर्ट तैयार करेगा और स्थाई समिति के समक्ष रखेगा और उसकी एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भी भेजेगा।

[क्र. सं. शार. टी.-11014/3/89-टीएजी]

प्रश्न 1

खंड 20(1)

तोपण निधि में से प्रतिवार के लिए आवेदन का प्रश्न

मैं, _____, जो श्री _____ का पुत्र,
(नाम)

की पुत्री/विधवा हूँ और _____ (स्थान) _____ का / की निवासी हूँ
मोटर यान दुर्घटना में घोर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया हूँ और मुझे हुई घोर क्षतियों के लिए प्रतिकर के अनुदान के लिए आवेदन करता हूँ। जो क्षतियाँ
मुझे हुई हैं उसकी बाबत आवश्यक विशिष्टियाँ नीचे दी गई हैं।—

मैं _____, जो श्री _____ का पुत्र, की पुत्री,
(नाम)

विधवा हूँ और _____ (स्थान) _____ का / की निवासी हूँ श्री, /
श्रीमती/कुमारी _____, जो _____ का पुत्र, की विधवा, पुत्री थी, जिसकी/
जिसको तारीख _____ को _____ स्थान पर मृत्यु हुई थी / क्षतियाँ हुई थी, मृत्यु/क्षतियों
के लिए प्रतिकर के अनुदान के लिए विधिक प्रतिनिधि/अधिकर्ता के रूप में आवेदन करना हूँ। दुर्घटना की बाबत विशिष्टियाँ और अन्य जानकारी नीचे
दी गई हैं :—

1. क्षतिग्रस्त व्यक्ति का नाम और उसके पिता का नाम (विवाहित स्त्री या विधवा की वशा में उसके पति का नाम):
2. क्षतिग्रस्त मृत व्यक्ति का पता :
3. आयु _____ जन्म की तारीख _____
4. क्षतिग्रस्त, मृत व्यक्ति पुरुष है या स्त्री:
5. दुर्घटना का स्थान, तारीख और समय:
6. क्षतिग्रस्त / मृत व्यक्ति की उपजीविका:
7. क्षतियों की प्रकृति:
8. जिस पुलिस थाने की अधिकारिता में दुर्घटना हुई थी या जिसमें दुर्घटना रजिस्टर कराई गई थी उसका नाम और पता:
9. जिस चिकित्सा अधिकारी / चिकित्सा व्यवसायी ने क्षतिग्रस्त, मृत व्यक्ति की देखभाल की थी उसका नाम और पता
10. दावेदार / दावेदारों ने नाम और पते:
11. मृत व्यक्ति के साथ नातेदारी:
12. कोई अन्य जानकारी जो दावे के परिनिर्धारण के लिए आवश्यक या सहायक समझी जाए।

मैं शपथ लेता हूँ और प्रतिज्ञा करता हूँ कि ऊपर बताए गए सभी तथ्य मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही हैं।

दावेदार के हस्ताक्षर

प्रारूप-II

खंड 20(1)

उपबंध-
संज्ञा सं.
तारीख

उत्सोचन रसीद

मुझे मृतक व्यक्ति _____ को _____

(मृतक का नाम)

(दुर्घटना की तारीख)

को _____ पर हुई दुर्घटना के लिए, मेरे दावे के पूर्ण और अंतिम परिनिर्धारण स्वरूप मोटर यान

(स्थान का नाम)

अधिनियम के दफ्तर मार कर भागने संबंधी उपबंधों के अधीन प्रतिकर के रूप में _____ बीमा कंपनी लिमिटेड से
_____ ह. संप्रत्यापन प्राप्त हुए।

गती:

फायदाग्राही, क्षतिग्रस्त द्वारा
राजस्व स्टाम्प पर हस्ताक्षर

प्रारूप-III

(खंड 21(2)(ख))

दावा जांच अधिकारी द्वारा वादा परिनिर्धारण आयुक्त को प्रस्तुत की जाने वाली दावा जांच रिपोर्ट

1. मृत/क्षतिग्रस्त व्यक्ति का नाम और पता:
2. दुर्घटना का स्थान, समय और तारीख:
3. जिन पुलिस थाने में दुर्घटना रजिस्टर करवाई गई थी उसकी विशिष्टियां:
4. जिन चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सा व्यवसायी ने मृत्यु क्षतिग्रस्त व्यक्ति की परीक्षा की थी उसकी विशिष्टियां:
5. जिन व्यक्तियों को समन किया गया था और जिनकी परीक्षा की गई थी उनकी विशिष्टियां:
6. मारकर भागने संबंधी मोटर दुर्घटना द्वारा मृत्यु क्षति का तत्स्थ सिद्ध हो गया है या नहीं और ऐसा निष्कर्ष निकालने के कारण:
7. प्रतिकर के सदाय के लिए पात्र दावेदार या दावेदारों के नाम और पते:
8. प्रतिकर की रकम जिसकी दावेदार की सदाय करने की सिफारिश की गई है (एक से अधिक दावेदारों की दशा में वह रकम बताई जाएगी जिसके लिए प्रत्येक दावेदार पात्र है और उसके कारण विनिर्दिष्ट किए जाएंगे।)
9. कोई अन्य जानकारी या अन्य अभिलेख जो दावे का परिनिर्धारण करने के लिए सुसंगत या उपयोगी हों।

मुद्रा :

तारीख:

दावा जांच अधिकारी के हस्ताक्षर
और पदनाम:

प्ररूप 4

[खंड 22(1)]

क्रम सं.
परिनिर्धारण आयुक्त
जिना—

आदेश

मैं, _____ कारकर भागने संबंधी दुर्घटना के, जो _____ को
(तारीख)_____ पर हुई थी, परिणामस्वरूप _____ की मृत्यु,
(स्थान का नाम)।को हुई घोर उपहृति की बाबत भूतक _____ के विधिक प्रति निधि के रूप में श्री, श्रीमती, कुमारी _____
को क्षतिग्रस्त _____ को प्रतिकर के रूप में 8500 / 2000 (आठ हजार पाच सौ रूपए / दो हजार रूपए) मंजूर
(क्षतिग्रस्त का नाम)
करता हूँ।

परिनिर्धारण आयुक्त

प्रति:—

1. बीमा कंपनी का कार्यालय;
2. बावेवार;
3. मोटर यान दुर्घटना दावा अधिकारण;
4. दावा जांच अधिकारी;
5. भारतीय साधारण बीमा निगम, नर्चरोट मुंबई —400020

प्ररूप 5

[खंड 20(1)]

(मोटर यान अधिनियम 1988 की धारा 162 के अधीन)

मैं/हम _____ मृतक क्षतिग्रस्त _____ के विधिक प्रतिनिधि
(नाम) (नाम)(प्रतिनिधियों) के रूप में बचनबंध करता हूँ / करते हैं कि यदि मुझे/हमें (_____ की मृत्यु या घोर उपहृति की
(नाम)प्रतिकर के लिए किसी दावे के बचले या उसकी तुष्टि के रूप में मोटर यान अधिनियम, 1988 या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के किन्हीं अन्य उपबंधों
के अधीन या अन्यथा कोई अन्य प्रतिकर अधिनिर्णीत किया जाता है तो मैं / हम _____ दावा परिनिर्धारण
(नाम)आयुक्त द्वारा मंजूरी आदेश सं. _____ तारीख _____ के अधीन मुझे, हमें
अधिनिर्णीत प्रतिकर की रकम का प्रतिदाय बीमाकर्ता को करेगा, / करेंगे।मृत / क्षतिग्रस्त व्यक्ति के विधिक प्रतिनिधि
के हस्ताक्षर

S.O. 449(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 163 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988), the Central Government hereby makes the following scheme for the payment of compensation to the victims of hit and run motor accidents, namely : -

1. Short title and commencement.—(1) This scheme may be called the Solatium Scheme, 1989.

(2) It shall come into force on the first day of July, 1989.

2. Definitions.—In the scheme, unless the context otherwise requires.—

(a) "Act" means the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988);

(b) "Claims Enquiry Officer" means the Sub-Divisional Officer, Tehsildar, or any other officer in charge of a revenue subdivision or a Taluka in each revenue district of a State or such other officer not below the rank of Sub-Divisional Officer or a Tehsildar, as may be specified by the State Government.

(c) "Claims Settlement Commissioner" means the District Magistrate, the Deputy Commissioner, the Collector or any other Officer in-charge of a revenue district in a State appointed as such by a State Government.

(d) "clause" means clause of this scheme.

(e) "District level Committee" means a Committee set up under clause 11.

(f) "Form" means a Form annexed to the Scheme.

(g) "Standing Committee" means Committee set up under clause 3.

(h) "Transport Commissioner" means an officer appointed as such by the State Government and includes the Director General of Transport, Director of Transport or the controller of Transport, appointed by the State Government.

3. Standing Committee :

(1) There shall be a standing Committee consisting of the following members, namely :-

- | | |
|--|---------------|
| (a) Joint Secretary (Transport) | —Chairman. |
| (b) Joint Secretary (Insurance) | —Member. |
| (c) General Manager, General Insurance Corporation | —Member. |
| (d) General Managers of each of Insurance Companies for the time being carrying on general insurance business in India | —Member. |
| (e) Transport Commissioners one each from three States, nominated by the Central Government by rotation. | —Member. |
| (f) Director/Deputy Secretary (Finance Division), Ministry of Surface Transport | —Member. |
| (g) An Officer of General Insurance Corporation, of the rank of Deputy General Manager (Accounts). | —Member Secy. |

(2) The persons nominated as member by virtue of an office shall cease to be member when he ceases to hold that office.

(3) The term of Office of the members nominated under sub-clause (3) of clause (1) shall be for a period of one year.

4. Remuneration of members of Standing Committee.—A member shall not be paid any remuneration, except travelling and daily allowance at the rates admissible to him and be paid from the source he draws salary.

5. Powers and functions of the Standing Committee.—The Standing Committee shall

- Periodically review the working of the scheme and its implementation and direct corrective steps, wherever necessary;
- Considering the issues raised in the report of the District Level Committee and provide guidance or directions, wherever called for;
- framing regulations for conduct of business by Standing Committee and District Level Committee.

6. Meeting of the Standing Committee.—The Standing Committee shall meet at such time, date and at such a place as the Chairman may, from time to time, appoint in this behalf:

Provided that the Committee shall meet at least twice a year.

7. Quorum.—Not less than three members shall form a quorum:

Provided that if at any meeting there is no quorum, the Chairman may adjourn the meeting to a date not less than seven days later, informing the members present and sending notice to other members that he proposes to dispose of the business at the adjourned meeting, whether there is a quorum or not and he may thereupon dispose of the business at such adjourned meeting.

8. Decision by majority.—Every matter shall be determined by a majority of votes of the members present and voting and in case of equality of votes, the Chairman shall have a casting vote.

9. Notice of meetings.—(1) Notice shall be given by the member-Secretary to every member of the time, date and place fixed for each such meeting at least fifteen days before such meeting and each member shall be furnished with a list of business to be disposed of at the said meeting :

Provided that when a urgent meeting is called by the Chairman, such notice shall not be necessary. However, member Secretary shall send an intimation to each member.

(2) No business which is not on the list of business shall be considered at a meeting without the permission of the Chairman.

10. Minutes of the meeting.—The proceedings of each meeting of the Standing Committee shall be circulated to all members and thereafter recorded in a minutes book which shall be kept as permanent record. The record of the proceedings of each meeting shall be signed by the Chairman.

11. District Level Committee.—(1) There shall be a District Level Committee in each District consisting of the following members, namely :

- | | |
|--|--------------------|
| (a) Claims Settlement Commissioner | —Chairman |
| (b) Claims Enquiry Officer, nominated by the State Government | —Member |
| (c) The Regional Transport Officer or any other officer of Motor Vehicles Department as nominated by the State Government | —Member |
| (a) any member of the public or, a voluntary organisation connected with the road safety aspects nominated by the Chairman | —Member |
| (c) Divisional Manager of the Insurance Company | —Member-Secretary. |

(2) A person nominated as a member by virtue of an office shall cease to be a member when he ceases to hold that office.

(3) The term of officer nominated under sub-clause (b), (c) and (d) shall be one year.

12. Remuneration of Member of the District Committee. A member shall not be paid any remuneration except travelling and daily allowance at the rate admissible to him in his respective Department and be paid from the source he draws salary. A member nominated under clause (d) shall be paid travelling allowance/dearness allowance by General Insurance Corporation, at the rate as may be decided by the General Insurance Corporation.

13. Powers and functions of District Level Committee.—The District Level Committee shall undertake all functions connected with the implementation of the scheme at the District level. It shall also perform functions such as :

- (i) to evaluate the progress of implementation of the scheme in the concerned District and take corrective steps, wherever necessary ;
- (ii) to submit a report on quarterly basis to the Standing Committee. This report shall inter alia include statistics monthwise, about the claim applications received, awarded, pending and reasons for pendency.
- (iii) to keep close liaison with other authorities in the district so as to ensure that scheme gets adequate publicity.
- (iv) to provide guidance/clarifications to concerned authorities wherever called for.

14. Meeting of the District Level Committee.—The District Level Committee shall meet at such time, date and at such place, within the concerned District itself, as the Chairman may, from time to time, appoint in this behalf :

Provided that the Committee shall meet at least once in each quarter.

15. Quorum.—Not less than two members shall form a quorum.

16. Decision by majority.—Every matter shall be determined by a majority of vote of the member present and voting. In case of equality of votes Chairman shall have a casting vote.

17. Notice of meeting :—(1) Notice shall be given by the member Secretary to each member of the time, date and place fixed for the meeting at least seven days before such a meeting and each member shall be furnished with a list of business to be disposed of at the said meeting:

Provided that when an urgent meeting is called by the Chairman, such notice shall not be necessary. However, member-Secretary shall send an intimation to each member.

(2) No business which is not on the list of business shall be considered at a meeting without the permission of the Chairman.

18. Minutes of the meeting:—The proceedings of each meeting of the 'District Level Committee' shall be circulated to all members and thereafter recorded in a minute book which shall be kept as a permanent record. The record of the proceedings of each meeting shall be signed by Chairman.

19. Nomination of insurance company:—General Insurance Corporation shall nominate any of its office or an insurance company in each District for settlement of claims under section 161 of the Act and of this scheme.

20. Procedure for making the claim application:—(1) The applicant shall submit an application seeking compensation under this scheme in Form I along with duly filled in discharge receipt in Form II and the undertaking in Form V to the Claims Enquiry Officer of the Sub-Division or Taluka in which the accident takes place.

(2) An application under clause (1) shall be made within a period of six months from the date of the accident :

Provided that an application made after six months but not after 12 months from the date of the accident may be accepted by the Claims Enquiry Officer, if he is satisfied that there are reasonable grounds to condone the delay.

(3) Where the Claims Enquiry Officer does not accept the grounds advanced by the applicant, he shall record speaking orders and communicate to the applicant reasons for not accepting the claim application.

21. Procedure to be followed by the Claims Enquiry Officer :—(1) On receipt of claims application, the Claims Enquiry Officer shall immediately obtain a copy of the FIR, inquest report, post mortem report or certificate of injury, as the case may be, from the concerned authorities and hold enquiry in respect of claims arising out of hit and run motor accidents.

(2) It shall be the duty of the Claims Enquiry Officer—

- (a) to decide as to who are the rightful claimants, where there are more than one claimants;
- (b) to submit, as early as possible, and in any case within a period of one month from the date of receipt of application a report in Form-III alongwith duly discharged receipt in Form-II and the undertaking in Form V alongwith his own recommendation.

(3) Where the Claims Settlement Commissioner has returned any report to the claims Enquiry Officer for further enquiry under sub-clause (2) of clause 22, the Claims Enquiry Officer shall make such additional enquiries as may be necessary and resubmit the report to Claims Settlement Commissioner within 15 days for final order.

22. Sanctioning of Claims:—(1) On receipt of report of the Claims Enquiry Officer, the Claims Settlement Commissioner shall sanction the claim, as far as possible, within a period not exceeding Fifteen days from the date of receipt of such report and communicate the sanction order in Form IV alongwith duly discharged receipt in Form-II and the undertaking in Form V to the nominated office of the insurance company, with a copy to the following :—

- (a) the Claims Enquiry Officer
- (b) the claimant
- (c) the concerned motor Accident Claim Tribunal
- (d) the concerned Transport Commissioner
- (e) General Insurance Corporation headquarters.

(2) Where the Claims Settlement Commissioner has any doubt in respect of the report submitted by the Claims Enquiry Officer, he shall return the report to the Claims Enquiry Officer for further enquiry, indicating the specific points on which the enquiry is to be made.

23. Payment of compensation:—(1) In the case claims arising out of death, the payment shall be made to the legal representatives of the deceased, as decided by the Claim Enquiry Officer.

(2) In the case of claims arising out of grievous hurt, the payment shall be made to the person injured.

(3) The nominated office of the insurance company, immediately on receipt of the sanction order in Form IV together with discharge receipt in Form II and the undertaking in Form V shall make the payment to the claimant and despatch a cheque/demand draft to the claimant through registered post AD and simultaneously send intimation to all the concerned authorities to whom the copy of the sanction order is endorsed.

(4) The payment to the claimant by the insurance company shall be made within 15 days from the date of receipt of the sanction order together with discharge receipt and wherever delay occurs, reasons, therefore shall be explained to the Claims Settlement Commissioner.

(5) Registered letters containing cheques/demand draft, if returned undelivered from claimants shall be placed before the Claims Settlement Commissioner for further directions.

(6) The nominated office of the insurance company shall furnish monthly return giving number and the date of the sanction order, date of receipt of sanction order, payments made, sanction order pending for payment, to the Claims Settlement Commissioner with a copy to Claims Enquiry Officer and General Insurance Corporation Headquarters, Bombay.

24. Annual Report :—The General Insurance Corporation shall prepare and place an annual report on the working of the scheme before the Standing Committee, and also forward a copy to the Central Government.

[File No. RT-11014/3/89-TAG]

FORM I

[Clause 20(1)]

FORM OF APPLICATION FOR COMPENSATION FORM SOLATIUM FUND

I, son of/daughter of/widow of *Shri residing at having been grievously injured in motor vehicle accident hereby apply for grant of compensation for the grievous injuries sustained. Necessary particulars in respect of the injury sustained by me are given below:—

I, son of/daughter of/widow of *Shri residing at hereby apply as a legal representative/agent for the grant of compensation on account of death/injuries sustained by Shri/Shrimati/Kumari son of/widow of/daughter of Shri who died/had sustained injuries in a motor vehicle accident on at Particulars in respect of accident and other information are given below:—

1. Name and father's name of person injured (husband's name in case of married woman or widow).
2. Address of the person injured/dead :
3. Age Date of birth
4. Sex of the person injured/dead :
5. Place, date and time of the accident :
6. Occupation of the person injured/dead :
7. Nature of injuries sustained :
8. Name and Address of Police Station in whose jurisdiction accident took place or was registered :
9. Name and address of the Medical Officer/Practitioner who attended on the injured/dead :
10. Name and address of the claimant/claimants :
11. Relationship with the deceased :
12. Any other information that may be considered necessary or helpful in the disposal of the claim :

I hereby swear and affirm that all the facts noted above are true to the best of my knowledge and belief.

SIGNATURE OF THE CLAIMANT

FORM-II
[Clause 20(i)]

ANNEXURE

SANCTION ORDER NO.
Dated:

Discharge Receipt

Received with thanks from..... Insurance Co. Ltd. sum
of Rs..... being the compensation under hit and run provisions of the Motor Vehicle Act in full &
final settlement of my claim for the accident occurred to me/to the deceased person.....
(Name of deceased)
on..... at.....
(date of accident) (Name of place)

Signature on revenue stamp by Beneficiary/
Victim

WITNESS:

- 1.
- 2.

FORM III
[Clause 21(2)(b)]

CLAIMED ENQUIRY REPORT TO BE SUBMITTED BY THE CLAIMS ENQUIRY OFFICER TO THE CLAIMS
SETTLEMENT COMMISSIONER.

1. Name and address of the person dead/injured :
2. Place, time and date of the accident :
3. Particulars of the Police Station in which the accident was registered :
4. Particulars of the medical officer/Practitioner who examined the dead/injured :
5. Particulars of persons summoned and examined :
6. Whether the fact of death/injury by hit and run motor accident has been established or not and the reasons for coming to that conclusion :
7. The name and address of claimant(s)/eligible for payment of compensation :
8. The amount of compensation recommended for payment to the claimant. (In case of more than one claimant the amount each one of the claimants is eligible and the reasons thereof shall be specified).
9. Any other information or records relevant or useful for the settlement of the claim.

Signature, designation of the Claims
Enquiry Officer.

Seal :

Date:

FORM IV
[Clause 22(1)]

Serial No.

Claims Settlement Commissioner

District.....

ORDER

I hereby sanction Rs. 8500 (Rupees Eight Thousand Five Hundred only) as compensation in respect of the death of.....
2000 (Rupees Two Thousand only).....grievous hurt to.....resulting from hit and run motor accidents which took place at.....
 Name of deceased.....Name of injured.....Name of place
 on.....to S/Shri/Shrimati/Kumari.....as the legal representative of the deceased.....
 dated.....
) or to.....injured.
 Name of injured

Claims Settlement Commissioner

CC to:—

1. Office of the Insurance Company
2. The Claimant
3. Motor Vehicles Accident Claims Tribunal
4. Claims Enquiry Officer
5. General Insurance Corporation of India, Churchgate, Bombay-400020.

FORM V
[Clause 20(1)]

(Under Section 162 of the Motor Vehicles Act, 1988)

I/We.....as legal representative(s) of the deceased/injured.....hereby give undertaking that I/We shall refund the amount of compensation awarded to me/us under sanction order No.....dated.....by the Claims Settlement Commissioner.....to the insurer in case I/We/am/are awarded any other compensation or amount in lieu of or by way of satisfaction of a claim for compensation in respect of death or grievous hurt to.....under any other provisions of the Motor Vehicles Act, 1988 or any other law for the time being in force or otherwise.

Signature of the legal representative of the deceased/
injured person.

का आ 441 (घ):— केन्द्रीय सरकार, मोटर यान अधिनियम, 1988 (1988 का 69) की धारा 185 के नीचे के स्पष्टीकरण के अनुसरण में तथा भारत सरकार के जहाजराशी और परिवहन मंत्रालय की अधिसूचना सं का आ 1929, तारीख 17 जून, 1978 को अधिवृत्त करने हुए, निम्नलिखित श्रौषधियों को, जिनके बारे में यह समझा जाएगा कि वे किसी व्यक्ति को मोटरयान पर सम्पत्ति निर्यक्षण रखने से अशक्त बना देती हैं, विनिर्दिष्ट करती हैं, अर्थात्:—

1. केन्द्रीय तांत्रिका प्रणाली अवसादक :
 (क) कैनिवाल,
 (ख) कोकन।

2. निद्राकारी शामक :
 (क) एलोबार्बीटोन,
 (ख) फेनोबार्बीटाल,
 (ग) सकोबार्बीटाल,
 (घ) साइक्लोबार्बीटोन
 (ङ) बारबीटोन,
 (च) मैथाक्वलीन,
 (छ) क्लोरल हाइड्रेट

3. स्थापक वेवनाहर :

(क) सॉफ्टीन,

(ख) पैथीडीन

4. मनः प्रभावी श्रौषधियाँ :

लिसेर्गी एसिड डाइ-एथिलोराइड (एल एम डी)

5. उद्दीपक :

(क) एम्फेटामिन,

(ख) मेथाइल फेनीलेट हाइड्रोक्लोराइड

6. प्रशांतक :

(क) डायजेपाम,

(ख) क्लोरिडायरेपोक्साइड,

(ग) नाइट्रोजेपाम।

2. यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1989 को प्रवृत्त होगी।

[का सं धार टी -11014/3/89-टीएफ]

S.O. 441(E):—In pursuance of the Explanation below Section 185 of the Motor Vehicles Act, 1988, (59 of 1988) in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport No. S. O. 1929, dated the 17th June, 1978, the Central Government hereby specifies the following drugs which shall be deemed to render a person incapable of exercising proper control over a motor vehicle, namely :—

1. Central Nervous System Depressant :

(a) Cannabia, (b) Cocaine.

2. Hypnotics Sedatives :

(a) Allobarbitone, (b) Phenobarbital,
(c) Secobarbital, (d) Cyclobarbitone,
(e) Barbitone, (f) Methaqualone,
(g) Chloral Hydrate.

3. Narcotic Analgesics :

(a) Morphine, (b) Pethidine.

4. Psycho-tropic drugs :

Lysergie Acid Di-ethylawride (L.S.D.).

5. Stimulants :

(a) Amphetamin, (b) Methyl Phandate Hydrochloride.

6. Tranquilizers :

(a) Diazepam, (b) Chloridarepoxide,
(c) Nitrazepam.

2. This notification shall come into force on the first day of July, 1989.

[File No. RT-11014/3/89-TAG]

का. आ. 442(अ):—केन्द्रीय सरकार, मोटर यान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) की धारा 203 के स्पष्टीकरण द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, के जल भूतल परिवहन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 3796, तारीख 23 नवम्बर, 1977 को अधिस्तुत करते हुए, निम्नलिखित प्रकार की मुक्तियों को (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् श्वास विश्लेषक कहा गया है) श्वास परीक्षण के लिए, किसी व्यक्ति द्वारा दिए गए श्वास के एक या अधिक नमूनों पर किए गए परीक्षण के माध्यम द्वारा, उस व्यक्ति के रक्त में एल्कोहल की उपस्थिति का लक्षण अभिप्राय करने के प्रयोजन के लिए, अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

(1) युक्ति I—श्वास विश्लेषक में निम्नलिखित होगा, अर्थात्:—

(क) एक उपदर्शक नलिका जिसमें ऐसी सामग्री होती जिसके रंग में उस समय परिवर्तन होगा; जब वह नलिका में किसी एल्कोहल सामग्री के श्वासन पर एल्कोहल वाष्प के संपर्क में आती है;

परन्तु उपदर्शक नलिका का स्वतः जीवन एक वर्ष से कम का नहीं होगा जिसमें कि इस अवधि के लिए भंडारित श्वास विश्लेषक के कृत्य किसी भी रूप में उससे भिन्न न हों जैसा कि ताजा निर्मित उपदर्शक नलिका का होता है;

(ख) अधिशाल् प्लास्टिक सामग्री की बनी मुखिका;

(ग) एक लीटर के आयतन का, जब उसे पूर्णतः स्फीय किया जाए, एक स्फीय थैला, जो पोलिथीन का बना हो और जिसके मुख पर मुखिका संलग्न हो; या

(2) युक्ति II—श्वास विश्लेषक में निम्नलिखित होगा, अर्थात्:—

(क) एक उपदर्शक परीक्षण टार्डिप जिसमें ऐसी सामग्री होती जिसके रंग में उस समय परिवर्तन होगा जब वह नलिका में किसी एल्कोहल वस्तु के साथ व्यवहार करने पर एल्कोहल वाष्प के संपर्क में आती है—

(ख) एक मुखिका;

(ग) एक श्वास बैग जिसमें रंग गीला और कैपिटली है, या

(3) युक्ति III—श्वास विश्लेषक में निम्नलिखित होगा, अर्थात्:—

(क) उपदर्शक नलिका, जो दोनों दिशों पर क्रयुजित होती तथा जिसमें गीला अधिकर्मक होगा जिसके रंग में उस समय परिवर्तन होगा जब नलिका में किसी एल्कोहल वस्तु के श्वासन पर एल्कोहल वाष्प के साथ संपर्क में आता है;

परन्तु उपदर्शक नलिका का स्वतः जीवन तीन वर्ष से कम नहीं होगा जिसमें कि इस अवधि के लिए भंडारित श्वास विश्लेषक के कृत्य किसी भी रूप में उससे भिन्न न हों जैसा कि ताजा निर्मित उपदर्शक नलिका का होता है;

(ख) एक मुखिका;

(ग) स्फीय थैला, जिसके मुख पर मुखिका संलग्न है और जिसको श्वास पहचान विस्तृत भार बैग द्वारा की जाती है; या

(4) युक्ति — श्वास विश्लेषक में निम्नलिखित होगा, अर्थात्:—

एक साक्षीय प्रकीय यंत्र, जब उसको एल्कोहल अंतर्विष्ट करने वाली श्वास के साथ आक्सीकृत किया जाता है तो रक्त एल्कोहल सांद्रण के रूप में विद्युत संकेत विद्यमान और प्रदर्शित होता है।

2. यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1989 को प्रवृत्त होगी।

[क्र. सं. आर. टी. —11014 (3)/89/टी ए जी]

S.O. 442(E).—In exercise of the powers conferred by the Explanation of section 203 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Surface Transport No. S.O. 3796, dated the 23rd November, 1977, the Central Government hereby approves the following types of devices (hereinafter referred to as the breath analyser), for the purpose of obtaining an indication of the presence of alcohol in a person's blood by means of a test carried out, on one or more specimens of breath provided by that person, for the purpose of breath tests, namely :—

(1) Device I—The breath analyser shall comprise the following, namely :—

(a) An indicator tube containing material which would undergo change of colour when in contact with alcohol vapours on breathing of an alcoholic subject into the tube :

Provided that the shelf-life of the indicator tube shall not be less than one year, so that the performance of the breath analyser stored for this period shall in no way be different from that of a freshly made indicator tube;

(b) a mouthpiece made of non-toxic plastic material;

(c) an inflatable bag of volume of a 1 litre, when fully inflated, made of polythene and attached with the mouth-piece at the opening.

(2) Device-II—The breath analyser shall comprise the following, namely :—

- (a) An indicator test type containing material which would undergo change of colour when in contact with alcohol vapours on dealing with an alcoholic subject into the tube;
- (b) a mouthpiece;
- (c) a breath back with a colour neck and capacity,

(3) Device III—The breath analyser shall comprise the following, namely :—

- (a) An indicator tube fused at both ends and containing a yellow reagent which would undergo change of colour when in contact with alcohol vapours on breathing of an alcoholic subject into the tube:

Provided that the shelf-life of the indicator tube shall not be less than three years, so that the performance of the breath analyser stored for this period shall in no way be different from that of a freshly made indicator tube;

- (b) a mouthpiece;
- (c) an inflatable bag and attached with a mouthpiece at the opening and further identified by a broad weight bag, or

(4) Device IV—The breath analyser shall comprise the following, namely :—

An evidential digital instrument when oxidated with the breath containing alcohol an electric signal which is amplified and displayed as blood alcohol concentration.

2. This notification shall come into force on the first day of July, 1989.

[RJ-11014(3)89-TAG]

का. प्रा. 443(अ):— केन्द्रीय सरकार, मोटर यान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) की धारा 213 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा यह विहित करती है कि मोटर यान निरीक्षक अथवा सहायक मोटर यान निरीक्षक (बाह्य किन्हीं नामों से पुकारे जाएँ) वर्ग के अधिकारियों की श्रेणी के लिए न्यूनतम अर्हता निम्नलिखित होगी :—

अर्हता

1. 10 स्टैंडर्ड पास की न्यूनतम साधारण शैक्षिक अर्हता; और
2. आटोमोबाइल इंजीनियरी (तीन वर्षीय पाठ्यक्रम) में डिप्लोमा

अथवा

राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड द्वारा दिया गया यांत्रिक इंजीनियरी में (तीन वर्षीय पाठ्यक्रम) डिप्लोमा; और

3. किन्हीं प्रख्यात आटोमोबाइल कार्यशाला में, जिसमें हल्के मोटर यानों, भारी माल यानों और भारी यात्री मोटर यानों, दोनों के, जिसमें पेट्रोल और डीजल इंजिन फिट किए गए हों, मरम्मत का काम लिया जाता है, कम से कम एक वर्ष का कार्य करने का अनुभव; और

4. चालन अनुमति धारण करना चाहिए जो उसे मोटर सार्वजनिक भारी माल यानों और भारी यात्री मोटर यानों को चालने के लिए प्राधिकृत करता है।

2. इस अधिनियम में की कोई बात ऐसे पद पर एक जुलाई, 1989 से पहले नियुक्त किए गए अधिकारी और ऐसे अधिकारी पर जो शीर तकनीकी प्रकृति के कृत्यों के निर्वहन के लिए नियुक्त किया गया है, लागू नहीं होगी।

3. यह अधिसूचना 1 जुलाई 1989 को प्रवृत्त होगी।

[आर. टी. ---11014/3/89 -टी. ए. जी.]

S.O. 443(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 213 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988), the Central Government hereby prescribes that the minimum qualification for the class of officers consisting of the category of Inspector of motor vehicles or Assistant Inspector of motor vehicles (by what ever names called) shall be as under—

Qualification :

1. Minimum general educational qualification of a pass in X standard; and
2. a diploma in Automobile Engineering (3 year course) Or
a diploma in Mechanical Engineering awarded by the State Board of Technical Education (3 year course); and
3. working experience of at least one year in a reputed automobile workshop which undertakes repairs of both light motor vehicles, heavy goods vehicles and heavy passenger motor vehicles fitted with petrol and diesel engine; and
4. must hold a driving licence authorising him to drive motor cycle, heavy goods vehicles and heavy passenger motor vehicles.

2. Nothing contained in the notification shall apply to a officer appointed to such post before the first day of July, 1989 and to an officer appointed to discharge function of a non-technical nature.

3. This notification shall come into force on the first day of July, 1989.

[RT-11014/3/89-TAG.]

का. प्रा. 444(अ):— केन्द्रीय सरकार, मोटर यान अधिनियम, 1988 (1988 का 58) की धारा 41 की उपधारा (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे दी गई सारणी के स्तंभ (1) में विनिर्दिष्ट राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को उसके स्तंभ (2) की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट अक्षर समूहों का आबंटन प्रत्येक राज्य और राज्य क्षेत्र के ऐसे रजिस्ट्रीकरण चिह्न के रूप में प्रयोग करने के लिए करती है जिसके पश्चात् रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी का वह कोड संख्याक आण्डा जो रजिस्ट्रीकरण चिह्न के रूप में प्रयोग किए जाने के लिए यथास्थिति, राज्य सरकार या संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासक द्वारा आबंटित किया जाए और जो चार अंतों से अधिक का न हो।

सारणी

राज्य	संघ शामिल क्षेत्र	अक्षर—समूह
1		2
1. अंधमान और निकोबार		एएन
2. आंध्र प्रदेश		एपी
3. अरुणाचल प्रदेश		ए आर
4. असम		एएस

1	2	(घ) अन्य दशाक्षों में काली सतह पर सफ़ेद रंग में, (क) केब किराए पर देने की स्कीम, 1989 के अधीन मोटर यानों की दशा में काली सतह पर पीले रंग में 3 यह अधिसूचना जुलाई, 1989 के पहले दिन को प्रवृत्त होगी। [फा. सं. भार. टी. 11014/3/89 टी ए जी] बी. भार चव्हाण, संयुक्त सचिव
5. बिहार	बी भार.	
6. चण्डीगढ़	सीएच	
7. दादरा और नागर हवेली	डीएन	
8. दमण और दीव	डीके	
9. दिल्ली	डीएल	
10. गोवा	जीए	
11. गुजरात	जीजे	
12. हरियाणा	एच आर	
13. हिमाचल प्रदेश	एचपी	
14. जम्मू—कश्मीर	जेके	
15. कर्नाटक	के ए	
16. केरल	के एन	
17. लक्षद्वीप	एलडी	
18. मध्य प्रदेश	एमपी	
19. महाराष्ट्र	एम एच	
20. मणिपुर	एमएन	
21. मेघालय	एम एल	
22. मिज़ोरम	एम जेड	
23. नागालैण्ड	एन एल	
24. उड़ीसा	ओआर	
25. पाण्डिचेरी	पीवाय	
26. पंजाब	पी बी	
27. राजस्थान	भारजे	
28. तमिलनाडु	एसके	
29. तमिलनाडु	टीएन	
30. त्रिपुरा	टीआर	
31. उत्तर प्रदेश	यूपी	
32. पश्चिमी बंगाल	व्क्यूबी	

2. जहाँ पैरा 1 में निर्दिष्ट 'चार अंक 9999 हो जाते हैं' यहाँ अगला क्रम "ए" वर्णक्रम से प्रारम्भ होगा और इसके पश्चात् अधिक से अधिक चार अंक आएँगे और तत्पश्चात् "बी" वर्णक्रम प्रारम्भ होगा जिसके पश्चात् अधिक से अधिक चार अंक आएँगे और इसी प्रकार आता ही होगा जब तक कि "आई" और "ओ" को छोड़ कर सभी वर्णक्रम समाप्त न हो जाएँ :

परन्तु अक्षर अक्षरी में होंगे और अंक अक्षरी संख्यात्मक होंगे तथा अक्षर और अंक परावर्ती रंगों में लिखे जाएँगे और उन्हें निम्न रूप वर्णित किया जाएगा:—

(क) केब किराए पर देने की स्कीम, 1989 के अधीन यानों में भिन्न परिवहन यानों की दशा में सफ़ेद सतह पर काले रंग में,

(ख) अस्थायी रूप से रजिस्ट्रीकृत मोटर यानों की दशा में पीली सतह पर लाल रंग में,

(ग) व्यवहारियों के कब्जे में ये मोटर यानों की दशा में लाल सतह पर सफ़ेद रंग में,

S.O.444(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (6) of section 41 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988), the Central Government hereby allots to the States and Union territories specified in column (1) of the Table below, the groups of letters specified in the corresponding entry in column (2) thereof, for use as registration mark for each State and Union territory to be followed by the code number of the Registering Authority to be allotted by the State Government or as the case may be the Administrator of the Union territory and not exceeding four figures, to be used as registration mark.

TABLE

States/Union Territories	Group of letters
1	2
1. Andaman and Nicobar	AN
2. Andhra Pradesh	AP
3. Arunachal Pradesh	AR
4. Assam	AS
5. Bihar	BR
6. Chandigarh	CH
7. Dadra and Nagar Haveli	DN
8. Daman and Diu	DD
9. Delhi	DL
10. Goa	GA
11. Gujarat	GJ
12. Haryana	HR
13. Himachal Pradesh	HP
14. Jammu and Kashmir	JK
15. Karnataka	KA
16. Kerala	KL
17. Lakshadweep	LD
18. Madhya Pradesh	MP
19. Maharashtra	MH
20. Manipur	MN
21. Meghalaya	ML
22. Mizoram	MZ
23. Nagaland	NL
24. Orissa	OR
25. Pondicherry	PY

1	2	
26. Punjab	PN	Provided that the letters shall be in English and the figures shall be in Arabic numerals and the letters and figures shall be painted in reflecting colours and shall be shown :
27. Rajasthan	RJ	(a) in the case of transport vehicles other than those under the Rent a Cab Scheme, 1989 in black on a white ground;
28. Sikkim	SK	(b) in the case of motor vehicles temporarily registered in red on a yellow ground;
29. Tamil Nadu	TN	(c) in the case of motor vehicles in the possession of dealers in white on a red ground;
30. Tripura	TR	(d) in other cases, in white on a black ground;
31. Uttar Pradesh	UP	(e) in the case of transport vehicle under the Rent a Cab Scheme, 1989, in yellow on a black ground.
32. West Bengal	WB	

2. Where the four figures referred to in paragraph 1 reaches 9999, the next series shall begin with alphabet 'A' followed by not more than four figures and thereafter with alphabet 'B' followed by not more than four figures and so on until all the alphabets, excluding 'I' and 'O' are exhausted ;

3. This notification shall come into force on the first day of July, 1989.

[File No.RT-11014/3/89-TAG]

B.R. CHAVAN, Jt. Secy.

